RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 156 ● भिलाई, गुरुवार 25 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन से कटकर दंपती और दो बच्चों समेत पांच की मौत, रेलवे ट्रैक पर बिखरे शव

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में बुधवार शाम दर्दनाक हादसा हुआ। रोजा रेलवे स्टेशन के पास मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग को पार करते समय बाइक सवार लोग गरीब रथ एक्सप्रेस से टकरा गए। हादसे में दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। दर्दनाक हादसा देख वहां मौजूद लोगों का कलेजा कांप गया। मृतकों के शव रेलवे ट्रैक पर इधर-उधर जा गिरे। सूचना मिलते ही थाना पुलिस और जीआरपी मौके पर पहुंच गई। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय हरिओम निवासी ग्राम बनके गांव थाना उचौलिया जिला लखीमपुर खीरी, उनके साढ़ू सेठ पाल निवासी गांव विकन्ना निगोही (शाहजहांपुर), सेठ पाल की 35 वर्षीय पत्नी पूजा व दो बच्चों के रूप में हुई। बताया गया कि ये सभी लोग शाहजहांपुर की बुध बाजार गए थे। वहां से खरीदारी कर लखीमपुर वापस जा रहे थे। मानवरहित रेलवे क्रॉसिंग पर 6:18 बजे हादसा हो गया। सूचना पर हरिओम के पिता लालाराम मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतकों की पहचान की। हादसे के बाद परिवारों में कोहराम मच गया।

नक्सलियों के हथियार आईईडी और विस्फोटक सामग्री बरामद

सुकमा। सुकमा जिले के मेटागुड़ा क्षेत्र में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त अभियान में नक्सलियों द्वारा जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक एवं अन्य नक्सली उपयोग में आने वाला सामान बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक, मेटागुड़ा से डी/203 कोबरा, 131 बटालियन सीआरपीएफ एवं जिला बल सुकमा की संयुक्त पार्टी ग्राम पीनाचांदा, बोटेतोंग एवं आसपास के जंगल-पहाड़ी क्षेत्रों में नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना हुई थी। अभियान के दौरान ग्राम बोटेतोंग के जंगलों में नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से छिपाकर रखी गई डंप सामग्री को बरामद किया गया। सुरक्षा बलों की सतर्कता से माओवादियों के मंसूबे विफल हो गए।

महाकाल दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालु को आया हार्ट अटैक

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन कर खुशी-खुशी घर लौट रहे एक श्रद्धालु के साथ रेलवे स्टेशन पर दर्दनाक हादसा हो गया। यहां स्टेशन पर एक बार फिर स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खुल गई। 42 साल के एक यात्री को ट्रेन पकड़ने के दौरान दिल का दौरा पड़ा, लेकिन वक्त पर स्ट्रेचर नसीब नहीं हुआ। मजबूरी में उसके दोस्त उसे सामान ढोने वाली लोहे की ट्रॉली पर लादकर अस्पताल ले जाने के लिए बदहवास दौड़ते रहे। हालांकि, तमाम कोशिशों के बावजूद शख्स को बचाया नहीं जा सका और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जो रेलवे के इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

इसरोने रचा इतिहास-पीएम मोदी ने दी बधाई

सबसे बड़े संचार उपग्रह को कक्षा में किया सफलता पूर्वक स्थापित

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने इतिहास रच दिया है। दरअसल इसरो ने इस साल के अपने आखिरी मिशन में सबसे बड़ी कम्युनिकेशन सैटेलाइट ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह पूरी तरह से कॉमर्शियल लॉन्चिंग है। मिशन के तहत अमेरिकी कंपनी एएसटी स्पेसमोबाइल के ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 संचार उपग्रह को पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इसरो ने इसकी लॉन्चिंग के लिए अपने एलवीएम3 रॉकेट का इस्तेमाल किया, जो कि इस लॉन्च व्हीकल की छठवीं उड़ान रही और वाणिज्यिक मिशन के लिए तीसरी। भारत के इस लॉन्च व्हीकल को पहले ही इसकी क्षमताओं के लिए 'बाहुबली' नाम दिया जा चुका है। यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 8:55 बजे हुई। इसरो के मुताबिक, करीब 15 मिनट की उड़ान के बाद कम्युनिकेशन सैटेलाइट रॉकेट से अलग होकर लगभग 520 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया। यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड और अमेरिका की एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए कॉमर्शियल समझौते का हिस्सा है। इसरो की सफल लॉन्चिंग पर खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया। जिसमें पीएम मोदी ने लिखा, 'भारत के युवाओं की ताकत से, हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम ज्यादा आधुनिक और असरदार बन रहा है। एलवीएम 3 ने भरोसेमंद हैवी-लिफ्ट प्रदर्शन दिखाया है, जिससे हम गगनयान जैसे भविष्य के मिशन के लिए नींव मजबूत कर रहे हैं, कमर्शियल लॉन्च सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं और वैश्विक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। यह बढ़ी हुई क्षमता और आत्मनिर्भरता को मिला बढ़ावा आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत बढ़िया है।' इस सफल लॉन्चिंग की अहमियत ये है कि इससे कमर्शियल स्पेस सेक्टर में भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो की पकड़ काफी मजबूत होगी। ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह का वजन लगभग 6,500 किलोग्राम है। यह पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित होने वाला सबसे बड़ा वाणिज्यिक संचार उपग्रह भी है। भारत अपने एलवीएम3 लॉन्च व्हीकल के जरिए चंद्रयान-2, चंद्रयान-3 और वैश्विक स्तर पर सैटेलाइट इंटरनेट मुहैया कराने वाली- वन वेब के सैटेलाइट लॉन्चिंग मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम दे चुका है। वन वेब मिशन में इसरो ने एलवीएम से दो बार में कुल 72 सैटेलाइट्स पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित की थीं। ब्लू बर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह एक अगली पीढ़ी (नेक्स्ट जेन) की प्रणाली का हिस्सा है। अगर यह उपग्रह सही कक्षा में स्थापित हो जाता है और कंपनी के परीक्षण सफल होते हैं तो इसके जरिए 4जी और 5जी स्मार्टफोन पर सीधे सेल्युलर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी मिलेगी। उपभोक्ता को किसी अतिरिक्त एंटीना या कस्टमाइज्ड हार्डवेयर की जरूरत नहीं होगी। फिलहाल सेलफोन को 4जी या 5जी नेटवर्क हासिल करने के लिए मोबाइल टावर की जरूरत होती है।

एलवीएम3-एम6 की ऐतिहासिक सफलता से गगनयान मिशन को मिली नई ताकत, इसरो प्रमुख बोले-भरोसा और मजबूत

एलवीएम3-एम6 मिशन की शानदार सफलता ने भारत के महत्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के प्रति भरोसे को और मजबूत कर दिया है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा कि लगातार नौ सफल एलवीएम3 लॉन्च ने यह साबित कर दिया है कि भारत मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए पूरी तरह तैयार हो रहा है। बुधवार को एलवीएम3-एम6 रॉकेट के जरिए ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित किया गया। इस मिशन को खास बताते हुए नारायणन ने कहा कि एलवीएम3 वही मानव-रेटेड लॉन्च व्हीकल है, जिसे गगनयान मिशन के लिए चुना गया है। ऐसे में इसकी निरंतर सफलता बेहद अहम है। उन्होंने बताया कि इस मिशन में सैटेलाइट को बेहद सटीकता के साथ तय कक्षा में पहुंचाया गया। लक्ष्य 520 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा था, जबकि सैटेलाइट को 518.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थापित किया गया, जो अब तक भारतीय लॉन्चरों की सबसे बेहतरीन सटीकता मानी जा रही है। इस मिशन की एक और बड़ी उपलब्धि यह रही कि यह भारत की धरती से लॉन्च किया गया अब तक का सबसे भारी सैटेलाइट था। करीब 5,908 किलोग्राम वजनी इस सैटेलाइट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुंचाकर इसरो ने एक नया कीर्तिमान रचा। यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 8:55 बजे हुई।

सपा पर योगी का तंज, अब तेजी से काम हो रहा

माफियाओं के सामने नतमस्तक थी पुरानी सरकार-सीएम योगी..

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि तुष्टिकरण की नीति के कारण ही पाकिस्तान और बांग्लादेश का निर्माण हुआ। बांग्लादेश में एक दलित हिंदू को पीटकर मार दिया गया लेकिन जो लोग गाजा पट्टी पर आंसू बहाते थे उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला क्योंकि उन लोगों के लिए दलित, किसान और महिलाएं सब एक वोट बैंक हैं। तुष्टिकरण की नीति के कारण बांग्लादेश का निर्माण हुआ है। अगर विभाजन न होता तो हिंदुओं पर अत्याचार न होता। जब हम लोग बांग्लादेश के अवैध प्रवासियों और रोहिंग्याओं का निकालेंगे तो यही लोग आंसू बहाएंगे क्योंकि इनमें से कई तो इन लोगों के वोटबैंक होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर हमला करते हुए कहा कि हमने योजनाओं में जो लूट थी उसे रोका। सपा के लोग इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करते हैं। बड़े-बड़े दावे करते हैं। जेपीएनआईसी पौने दो सौ करोड़ का प्रोजेक्ट था 860 करोड़ खर्च हो जाने के बाद भी अधूरा है। गोमती रिवर फ्रंट 167 करोड़ का प्रोजेक्ट था 1400 करोड़ खर्च हो गए तब भी अधूरा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के सिविल वर्क के लिए 15 हजार 200 करोड़ रुपये तय किए गए थे हमने वहीं एक्सप्रेस वे 11 हजार 400 करोड़ रुपये में पूरा करके दिखा दिया। यही सपा के समय इंफ्रास्ट्रक्चर की सच्चाई है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने कानून व्यवस्था में सुधार किया है। यही कारण है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है। आज निवेशक प्रदेश में आने के लिए तैयार हैं। प्रदेश में अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ है। हमें खुशी है कि हमने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्यों की सूची से बाहर निकाला है।

पंचतत्व में विलीन हुए साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल

रायपुर। देश-विदेश में अपनी अनूठी लेखनी से हिंदी साहित्य को पहचान दिलाने वाले छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल बुधवार को पंचतत्व में विलीन हो गये। राज्य सरकार ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी। बुधवार दोपहर 12 बजे रायपुर के मारवाड़ी शमशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सीएम विष्णुदेव साय, कैबिनेट मंत्री, रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, प्रख्यात कवि कुमार विश्वास समेत साहित्यकार, काव्यकार, उपन्यासकार, रचनाकार, राजनीतिक हस्तियां आदि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने उन्हें भानभीनी श्रद्धांजलि दी।

भाई ने खोल दी सरकार की पोल

चुनाव टालने के लिए यूनुस ने ही कराई हादी की हत्या...

नई दिल्ली। बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर गंभीर संकट के दौर में नजर आ रही है। युवा नेता और इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देशभर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अब उनके परिवार ने अंतरिम सरकार पर सीधे और गंभीर आरोप लगाए हैं। हादी के बड़े भाई अबू बकर ने कहा है कि उनके भाई की हत्या आगामी चुनावों को रद्द कराने की साजिश का हिस्सा है और इसके लिए मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। वहीं, हादी की बहन के बयान को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया है। न्यूज एक्स की रिपोर्ट के अनुसार, उसने भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान देते हुए कहा था कि हर घर में भारत विरोधी जिहाद की ट्रेनिंग दी जानी चाहिए

कुलदीप सिंह सेंगर की बेल पर भड़के कांग्रेस

राहुल गांधी ने कहा- हम एक 'मृत समाज' बनते जा रहे हैं

नई दिल्ली/ एजेंसी

2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को जमानत मिलने के बाद, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे निराशाजनक और शर्मनाक बताया और पीड़िता के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर सवाल उठाए। उन्होंने आगे दावा किया कि भारत न केवल एक मृत अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के कारण एक मृत समाज भी बनता जा रहा है। ङ्क पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, क्या सामूहिक बलात्कार पीड़िता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है? क्या न्याय के लिए आवाज उठाने का साहस दिखाना उसकी 'गलती' है? उसके अपराधी (पूर्व भाजपा विधायक) को जमानत मिलना बेहद निराशाजनक और शर्मनाक है, खासकर तब जब पीड़िता को बार-बार परेशान किया जा रहा है और वह डर के साये में जी रही है। गांधी ने चेतावनी देते हुए कहा, बलात्कारियों को जमानत और पीड़ितों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार - यह किस तरह का न्याय है? उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमज़ोर करते हैं।वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आगे टिप्पणी की कि इस तरह की घटनाएं न केवल संस्थागत विफलता बल्कि गहरे नैतिक पतन का संकेत देती हैं। एक्स पर पोस्ट में लिखा था कि हम न केवल एक मृत अर्थव्यवस्था बनते जा रहे हैं।

पुलिस अभिरक्षा में पेशी पर जा रहे हिस्ट्रीशीटर विनय त्यागी को बदमाशों ने मारी गोली, गंभीर घायल

लक्सर। पश्चिमी यूपी के हिस्ट्रीशीटर विनय त्यागी को कोर्ट में पेशी के लिए ले जा रही पुलिस की गाड़ी पर बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी। हमले में विनय त्यागी को भी गोली लगी है। उसे गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया है। वाहन में मौजूद दो पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं। वारदात को अंजाम देकर नकाबपोश बदमाश भीड़ के बीच हथियार लहराते हुए फरार हो गए। फायरिंग की सूचना पर पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। चारों तरफ नाकाबंदी कर पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

केंद्रीय गृह का ऐलान

सरकार जल्द ही 'भारत टैक्सी' सेवा शुरू करेगी-अमित शाह..

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सरकार जल्द ही 'भारत टैक्सी' सेवा शुरू करेगी, जिसके तहत लाभ का कुछ हिस्सा चालकों के साथ साझा किया जाएगा। पंचकुला में सहकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों की सुविधा में सुधार के साथ-साथ चालकों की आय में वृद्धि करना है। अमित शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की पहल के माध्यम से, हम जल्द ही 'भारत टैक्सी' शुरू करेंगे, जिसका पूरा लाभ चालक भाइयों को मिलेगा। इससे ग्राहकों की सुविधा बढ़ेगी और चालकों का लाभ भी बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने हरियाणा के राष्ट्र-उन्मुख योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और खेल जगत में उत्कृष्टता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने देश की खाद्य सुरक्षा और खेल उपलब्धियों में निरंतर योगदान दिया है, और राज्य के किसानों ने कई मोर्चों पर देश को गौरवान्वित किया है। शाह ने कहा कि हरियाणा ने हमेशा देश की खाद्य सुरक्षा और दुग्ध उत्पादन में योगदान दिया है और खेल के क्षेत्र में देश को कई पदक दिलाए हैं। चाहे कोई भी मोर्चा हो, हर मोर्चे पर हरियाणा के किसानों ने गर्व से भारत का तिरंगा फहराया है। शाह ने खाद्यान्न उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक पहचान हासिल करने के लिए हरियाणा और पंजाब दोनों की सराहना की।

कैबिनेट ने कुल 12.35 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को दी मंजूरी

केंद्र सरकार ने दिल्ली मेट्रो के लिए 12015 करोड़ आवंटित किए

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की लाइफ लाइन कही जाने वाली दिल्ली मेट्रो के विस्तार को लेकर केंद्र सरकार ने आज एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 'दिल्ली मेट्रो फेज-5 (A)' के विस्तार प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इस परियोजना के लिए ?12,015 करोड़ के भारी-भरकम बजट को हरी झंडी दिखाई गई है, जो दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा। इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई रफ्तार देने के मकसद से सरकार ने सड़क, रेल और पोर्ट नेटवर्क के विस्तार के लिए अपना खजाना खोला है। कैबिनेट ने सबसे बड़ा दांव हाईवे सेक्टर पर लगाया है। इसके लिए 1,97,644 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि मंजूर की गई है। इसके तहत 8 नेशनल हाई-स्पीड रोड प्रोजेक्ट्स (936 किमी) के साथ-साथ सीमावर्ती इलाकों और पूर्वोत्तर (शिलॉन्ग-सिलचर) से लेकर बिहार (पटना-आरा-सासाराम) और दक्षिण भारत तक लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को सुधारा जाएगा। वहीं, लॉजिस्टिक्स लागत घटाने के लिए रेलवे के 43 प्रोजेक्ट्स (1,52,583 करोड़ रुपये) और पोर्ट्स व शिपिंग (1,45,945 करोड़ रुपये) पर भी बड़ा निवेश किया जाएगा, इसमें महाराष्ट्र का वधावन पोर्ट अहम है। इसके अलावा, हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए बागडोगरा, बिहटा, वाराणसी व कोटा समेत नए एयरपोर्ट टर्मिनल्स के लिए भी 7,339 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कैबिनेट ने दिल्ली मेट्रो के साथ

बंगलूरू मेट्रो के दो कॉरिडोर, ठाणे रिंग मेट्रो, पुणे मेट्रो, चेन्नई मेट्रो, और लखनऊ मेट्रो से जुड़ी परियोजनाओं के लिए कुल 1,31,542 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है। 12 औद्योगिक स्मार्ट सिटी के लिए सरकार ने 28,602 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। पीएम आवास योजना के तहत एक करोड़ शहरी और दो करोड़ ग्रामीण घरों के लिए 5,36,137 करोड़ रुपये को कैबिनेट ने हरी झंडी दी है। केंद्रीयमंडल ने 28, 432 करोड़ रुपये की हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के रोपवे के लिए 6,811 करोड़ रुपये को मंजूरी दी गई है। बुधवार को कैबिनेट की बैठक के दौरान कुल 12.35 लाख करोड़ रुपये को मंजूरी दी गई है। इस मंजूरी के साथ ही दिल्ली मेट्रो दुनिया के सबसे बड़े शहरी रेल नेटवर्क में अपनी स्थिति और मजबूत करने जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, अगले तीन वर्षों में इन नए कॉरिडोर्स के पूरा होने पर दिल्ली मेट्रो का कुल परिचालन नेटवर्क 400 किलोमीटर के आंकड़े को पार कर जाएगा। यह एक बड़ी उपलब्धि होगी, जो दिल्ली मेट्रो को लंदन और न्यूयॉर्क जैसे शहरों की मेट्रो प्रणालियों के समकक्ष खड़ा करती है। इस विस्तार को रणनीतिक रूप से डिजाइन किया गया है ताकि प्रमुख आवासीय क्षेत्रों, कमर्शियल डिस्ट्रिक्ट्स और ट्रांजिट इंटरचेंज पॉइंट्स को आपस में बेहतर तरीके से जोड़ा जा सके। बिजनेस के नजरिए से देखें तो, कनेक्टिविटी बढ़ने से रियल एस्टेट और स्थानीय व्यापार को भी गति मिलने की उम्मीद है।

क्या कहा केंद्रीय मंत्री ने?

कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान केंद्रीय रेल और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा, दिल्ली मेट्रो के विस्तार के संबंध में एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। हम सभी जानते हैं कि दिल्ली मेट्रो ने दिल्ली के निवासियों और शहर में आने-जाने वाले हर व्यक्ति के जीवन को कैसे सकारात्मक रूप से बदला है। इस विस्तार के साथ, दिल्ली मेट्रो में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा। इसी उद्देश्य के लिए ?12,015 करोड़ की परियोजना स्वीकृत की गई है। दिल्ली मेट्रो के विस्तार की यह खबर ऐसे समय में सामने आई है जब राजधानी में प्रदूषण और ट्रैफिक जाम एक बड़ी चुनौती बने हुए हैं। सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ करने वाला यह कदम न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा बल्कि पर्यावरण के अनुकूल शहरी विकास की दिशा में भी एक मील का पत्थर साबित होगा। अब सभी की निगाहें दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन पर होंगी।

ग्राम भैंसबोड़ में आयोजित प्रशासन गांव की ओर शिविर में ग्रामीणों का उमड़ा हुजुम

हितग्राहियों को शासन के जन कल्याणकारी योजनाओं से किया गया लाभान्वित, शिविर में प्राप्त 149 आवेदनों में 76 निराकृत

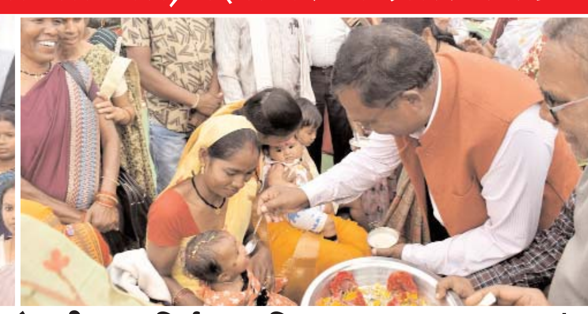

बालोद। केन्द्र सरकार के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जयंती के अवसर पर 19 से 25 दिसंबर तक आयोजित सुशासन सप्ताह 2025 के अंतर्गत जिले के आदिवासी बहुल डौंडी ब्लॉक के ग्राम भैंसबोड़ में आयोजित 'प्रशासन गांव की ओर' शिविर में ग्रामीणों का हुजुम उमड़ पड़ा। ग्राम भैंसबोड़ में आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों के अलावा अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्राम पंचायत भैंसबोड़ सहित आसपास के अनेक ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन शामिल हुए। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य एथेलेटिक्स संघ के उपाध्यक्ष सौरभ लुनिया उपस्थित थे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद उपाध्यक्ष भोलाराम नेताम, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि धमेन्द्र गड़ियोक के अलावा एसडीएम सुरेश साहू, तहसीलदार देवेन्द्र नेताम, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीडी मण्डले, ग्राम पंचायत भैंसबोड़ के सरपंच चित्रकांत ठाकुर सहित आसपास के ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा शिविर में उपस्थित हितग्राहियों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित भी कराया गया। इसके अलावा शिविर में विधि-विधान के साथ मंत्रोच्चार कर तथा नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन कराया गया। इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे कुपोषण मुक्ति अभियान के अंतर्गत नन्हें-मुन्हें बच्चों को सुपोषण किट भी प्रदान किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के द्वारा शिविर में उपस्थित 110 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित भी की गई।

महतारी वंदन से माता बहने बनी आत्मनिर्भर : लुनिया

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य एथेलेटिक संघ के उपाध्यक्ष सौरभ लुनिया 'प्रशासन गांव की ओर' शिविर के आयोजन के महत्व एवं उददेश्यों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। सौरभ लुनिया ने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा राज्य में सत्ता की बागडोर संभालने के तत्काल बाद से ही आम जनता से किए हुए प्रत्येक वायदों को पूरा करने का कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा राज्य में महतारी वंदन योजना लागू कर माता और बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के अलावा प्रति क्विंटल 3,100 रूपये की दर से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी अन्नदाता किसानों का सम्मान करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक वर्गों के कल्याण हेतु अनेक जनकल्याणकारी योजना संचालित कर उनका सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। जनपद उपाध्यक्ष भोलाराम नेताम ने 'प्रशासन गांव की ओर' शिविर के आयोजन के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि आम जनता को शासकीय कार्यक्रम के चक्कर लगाने की समस्या से मुक्ति प्रदान करने हेतु प्रशासनिक अमले को आम जनता के बीच भेजकर उनके मांगों एवं समस्याओं के निराकरण सुनिश्चित करने के उददेश्य से प्रशासन गांव की ओर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का पूरी संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित कराने को कहा। स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए अनुविभागीय अधिकारी सुरेश साहू ने सुशासन सप्ताह के अंतर्गत आयोजित 'प्रशासन गांव की ओर' शिविर को प्रशासन को आम जनता के निकट लाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सार्थक कदम बताया। उन्होंने कहा कि प्रशासन गांव की ओर शिविर के माध्यम से ग्रामीणों एवं हितग्राहियों को शासन के अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराने के अलावा उनके मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

रंगारंग सुमधुर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी गई प्रस्तुति

शिविर में अतिथियों के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आवास निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने पर हितग्राही मनोज एवं गंगाराम को उनके नव निर्मित आवास का चाबी भेंटकर शुभकामनाएं भी दी गई। इसके अलावा मत्स्य पालन विभाग द्वारा तुलसी महिला स्व सहायता समूह भैंसबोड़ के महिलाओं को 1 नग मछली जाल एवं 1 नग आईस बॉक्स प्रदान किया गया। इसी तरह स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत राम बाई एवं बुधिया बाई को उत्कृष्ट शौचालय निर्माण हेतु प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। समारोह में जल संचयन एवं जन भागीदारी के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्रामीणों एवं स्व सहायता समूह के महिलाओं का सम्मान भी किया गया। शिविर में जनपद पंचायत को प्राप्त 115 आवेदनों में से 71, शिक्षा विभाग को प्राप्त 4 आवेदनों में से 2, बुनकर सहकारी समिति से संबंधित प्राप्त 1 आवेदन को मौके पर ही निराकृत किया गया। इसके अलावा शिविर में समाज कल्याण एवं विद्युत विभाग को 3-3 तथा वन एवं कृषि विभाग को 1-1 आवेदन प्राप्त हुआ। शिविर में सुरमोहिनी कला संस्था के लोक कलाकारों के द्वारा रंगारंग सुमधुर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई।

कबीर वाणी से आत्मिक शांति और मानवता का संदेश : विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा अंतर्गत ग्राम लोलेसरा में 21 से 24 दिसंबर तक आयोजित पंथ हुजूर उग्रनाम साहेब स्मृति संत समागम मेला के द्वितीय दिवस मेला स्थल पहुंचकर विधायक दीपेश साहू ने हुजूर प्रकाशमुनि नाम साहेब, नवोदित वंशाचार्य उदितमुनि नाम साहेब एवं गुरु गोसाई डॉ. भानुप्रताप साहेब के पावन श्रीचरणों में नमन कर आशीर्वाद एवं दर्शन लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने कबीर वाणी सत्संग का रसपान किया। उन्होंने कहा कि कबीर साहेब की वाणी मनुष्य को आडंबर, भेदभाव और अहंकार से मुक्त कर सत्य, प्रेम और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। सत्संग के माध्यम से आध्यात्मिक शांति, आत्मिक आनंद एवं जीवन के मूल मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने का अनुपम अवसर प्राप्त हुआ। विधायक साहू ने कहा कि यह संत समागम केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, शांति, सदभाव और समानता का जीवंत संदेश है। ऐसे आयोजनों से समाज को सही दिशा मिलती है और युवा पीढ़ी को संस्कारों से जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने आयोजन समिति, संत समाज एवं ग्रामवासियों को इस भव्य एवं अनुशासित आयोजन के लिए बधाई देते हुए संत परंपरा को समाज की आत्मा बताया। संत कबीर साहेब केवल एक संत नहीं, बल्कि एक चेतना हैं, एक विचारधारा हैं, जो मानव को मानव से जोड़ने का कार्य करती है। साहू ने कहा की आज जब समाज जाति, वर्ग, भाषा और विचारधाराओं में बंटने का प्रयास कर रहा है, तब कबीर साहेब की वाणी हमें जोड़ने का कार्य करती है। संत समागम जैसे आयोजन हमें यह सिखाते हैं कि सभी मनुष्य समान हैं और सेवा, सत्य एवं सद्भाव ही सच्चा धर्म है। हुजूर प्रकाशमुनि नाम साहेब, नवोदित वंशाचार्य उदितमुनि नाम साहेब एवं गुरु गोसाई डॉ. भानुप्रताप साहेब जैसे संतों का मार्गदर्शन समाज के लिए प्रकाश स्तंभ है। इनके आशीर्वचन समाज को सही मार्ग दिखाते हैं और नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ते हैं। यह मेला हमें यह भी सिखाता है कि धर्म का वास्तविक स्वरूप मानव सेवा, नशामुक्ति, शिक्षा, समरसता और शांति में निहित है। कबीर धर्म सनातन परंपरा का वह उज्ज्वल रूप है, जो बिना भेदभाव के पूरे समाज को एक सूत्र में बांधता है। मैं इस पावन अवसर पर यही कामना करता हूँ कि संत कबीर साहेब की वाणी हर घर, हर मन और हर हृदय तक पहुंचे। यह समागम समाज में प्रेम, भाईचारे और शांति की अलख जगाता रहे।

दल्ली राजहरा में हुई भाजपा का विधानसभा स्तरीय बीएलए एवं बूथ अध्यक्षों की कार्यशाला

दल्लीराजहरा। भारतीय जनता पार्टी का विधानसभा स्तरीय बीएलए एवं बूथ अध्यक्षों की कार्यशाला गायत्री शक्तिपीठ दल्ली राजहरा में आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में डौंडीलोहारा विधानसभा प्रभारी पूर्व सांसद चंदूलाल साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। पूर्व सांसद चंदूलाल साहू के पहली बार लौह नगरी दल्ली राजहरा आगमन पर शीतल साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ दल्ली राजहरा के नेतृत्व में चंदूलाल साहू का पुष्प गुच्छ एवं पुष्प हार से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। तहसील साहू संघ दल्ली राजहरा द्वारा किए गए स्वागत से चंदूलाल साहू ने समाज के लोगों का धन्यवाद दिया। इस अवसर पर शीतल साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ दल्ली राजहरा, राजेश साहू सचिव, तोरण लाल साहू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद एवं पूर्व अध्यक्ष तहसील साहू संघ दल्ली राजहरा गजाधर साहू, रामेश्वर साहू, निर्मला साहू दामिनी साहू, उषा साहू पोशिका साहू राजेश्वरी साहू हेमंत साहू, छगन साहू वीरेंद्र कुमार साहू उपस्थित थे।

डीलर दीदी से बदली वनांचल की तस्वीर, बैगा महिलाएं बनीं लखपति

कवर्धा। जिले के पंडरिया विकासखंड के वनांचल ग्राम तेलियापानी लेदरा में बैगा समुदाय की महिलाओं ने शासकीय योजनाओं से आजीविका के नए रास्ते खोले हैं। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अभिसरण से महिला स्व सहायता समूह डीलर दीदी के रूप में निर्माण सामग्री की आपूर्ति कर रही हैं। इससे जहां आवास निर्माण को गति मिली है, वहीं समूह की महिलाओं की आय बढ़कर लाख रुपये से अधिक हो गई है। यह पहल वनांचल क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण बन रही है।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन का हड़ताल 29 से

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन एवं नवयुक्त अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ छत्तीसगढ़ (नगरीय निकाय) के आव्हान पर डीए, वेतन विसंगति, कैशलेस उपचार सुविधा सहित 11 सूत्रीय लंबित मांगों के समाधान हेतु मोदी की गारंटी लागू करो अभियान के अंतर्गत तृतीय चरण जिला स्तरीय कलम बंद, काम बंद आंदोलन 29 से 31 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा के कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष गोविन्द राम साहू, स्थानीय निकाय के अध्यक्ष विपिन बेहरा, मनोज साहू, इन्द्र कुमार यादव, रामगोपाल चंद्राकर, सुनील तराम, अनंत साहू, बुद्धिमान सिंह, अब्दुल कलीम, धरमू बक्सी, पंकज चंद्राकर, सुशील टंडन एवं समस्त कर्मचारीगण 29 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक हड़ताल पर रहने सामूहिक अवकाश से संबंधित ज्ञापन मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र वाडेकर को दिया गया।

गुरु घासीदास की जयंती में शामिल हुए आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत सरदा में आयोजित परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जयंती समारोह में पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर ग्रामवासियों एवं समाज जनों को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा गुरु घासीदास का जन्म ऐसे समय हुआ जब समाज में छुआछूत, ऊंच-नीच, झूठ-कपट का बोलबाला था। ऐसे समय में उन्होंने समाज को एकता,भाईचारे तथा समरसता का संदेश दिया, बाबा गुरु घासीदास ने समाज के लोगों को प्रेम और मानवता का संदेश दिया संत गुरु घासीदास की शिक्षा आज भी प्रासंगिक है, बाबा ने समाज के लोगों को सात्विक जीवन जीने की प्रेरणा दी। उन्होंने न सिर्फ सत्य की आराधना की, बल्कि समाज में नई जागृति पैदा की और अपनी तपस्या से प्राप्त ज्ञान और शक्ति का उपयोग मानवता की सेवा के कार्य में किया। इसी प्रभाव के चलते लाखों लोग गुरु घासीदास बाबा के अनुयायी हो गए। गुरु घासीदास ने समाज में व्याप्त कुप्रथाओं का बचपन से ही विरोध किया, उन्होंने समाज में व्याप्त छुआछूत की भावना के विरुद्ध 'मनखे-मनखे एक समान' का संदेश दिया, गुरु घासीदास बाबा का जीवन-दर्शन युगों तक मानवता का संदेश देता रहेगा,वे आधुनिक युग के सशक्त क्रांतिदर्शी गुरु थे। इनका व्यक्तित्व ऐसा प्रकाश स्तंभ है, जिसमें सत्य, अहिंसा, करुणा तथा जीवन का ध्येय उदात्त रुप से प्रकट है, बाबा के बताए मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति ही अपने जीवन में अपना तथा अपने परिवार को आगे बढ़ा पाएग, घासीदास बाबा ने कहा था कि हमें नशा-पान का सेवन नहीं करना चाहिए इस अवसर पर ललित विश्वकर्मा चिंता कोसले बलराम साहू चेतन साहू श्यामलाल साहू शरद साहू घनश्याम साहू मोहन बंजारे लक्ष्मण कोसले हरिशचंद्र कोसले धर्मदास बंजारे गंगा भारती करमदास कोसले गज्जू कोसले युवराज कोसले संदीप साहू सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

भोरमदेव बनेगा वैश्विक पर्यटन पहचानः दिसंबर के अंतिम सप्ताह में पर्यटन कॉरिडोर का भूमिपूजन

सीएम साय व केंद्रीय मंत्री शेखावत रहेंगे मौजूद

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, पुरातात्विक और जनआस्था के प्रमुख केंद्र बाबा भोरमदेव को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत प्रस्तावित भोरमदेव पर्यटन कॉरिडोर का भूमिपूजन दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में किया जाना प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से यह महत्वाकांक्षी परियोजना साकार हो रही है। भूमिपूजन कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की विशेष उपस्थिति प्रस्तावित है। कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में कलेक्टर ने भोरमदेव मंदिर परिसर में प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल एवं सभा स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने मंच निर्माण, दर्शक दीर्घा, पार्किंग, पेयजल, सुरक्षा, बैरिकेटिंग, पंडाल एवं यातायात व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए। कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को मंच एवं बैठक व्यवस्था की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए, वहीं अन्य विभागों को भी आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनसमुदाय की उपस्थिति को देखते हुए सुविधाएं सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित होनी चाहिए। इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि भोरमदेव पर्यटन कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत भोरमदेव मंदिर परिसर से मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुवा और सरोदा जलाशय तक पर्यटन अधोसंरचना का विकास किया जाएगा। इससे न केवल क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को नया आयाम मिलेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी, एडीएम विनय पोयाम, एसडीएम बोड़ला सागर सिंह राज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। भोरमदेव पर्यटन कॉरिडोर को लेकर जिले में उत्साह का माहौल है और यह परियोजना छत्तीसगढ़ के पर्यटन विकास में मील का पत्थर साबित होने की उम्मीद जता रही है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी शताब्दी वर्ष समारोह में शामिल हुए राजहरा खदान श्रमिक संघ

दल्लीराजहरा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का शताब्दी वर्ष समारोह पूरे देश में मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के जगदलपुर शहर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता सम्मिलित हुए कार्यक्रम में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राजहरा, छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं छत्तीसगढ़ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी प्रभारी कॉमरेड पी. संतोष उपस्थित रहे तथा 7 किलोमीटर की विशाल रैली में अपना योगदान दिया। उन्होंने उदबोधन में उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के इतिहास के बारे में बताया कि किस तरह कॉमरेड साथी के बलिदानों और साथ की वजह से कम्युनिस्ट पार्टी का नाम देश के हर राज्यों के कोने कोने में है और पार्टी का उददेश्य किसान मजदूरो और बेरोजगारों के हित में कार्य करना है उन्होंने कार्यक्रम में आए सभी लोगों को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के लिए एकजुट होकर आगे आकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक सदस्यों छत्तीसगढ़ में हुए दिवंगत कॉमरेड साथियों के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया गया। सभी कॉमरेड कम्युनिस्ट पार्टी की नींव को मजबूत कर अपना जीवन किसान, मजदूर एवं पार्टी के लिए अपना सारा जीवन लगा दिया। कार्यक्रम में दल्ली राजहरा के कम्युनिस्ट पार्टी के दिवंगत कॉमरेड साथी जिन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी को आगे बढ़ाने उनकी नींव रखने में अपना योगदान दिया जिनमें से प्रकाश राय, मोजेस, नसीम आलम नारवी के परिवार को सम्मानित किया गया और उनके इतिहास के बारे में बताया गया कि प्रकाश राय काफी समय तक कम्युनिस्ट पार्टी की नींव रखने में अपना योगदान दिया और बहुत समय तक दल्ली राजहरा में कम्युनिस्ट पार्टी के लिए कार्य किया। फिर राजनांदगांव चले गए वहां उनका देहांत हो गया, मोजेस भी राजहरा में (एसकेएमएस) की नींव डाली और पार्टी के लिए निरंतर कार्य करते रहे एक बाढ़ दुर्घटना में बस में फंसे लोगों को बचाते बचाते दिवंगत हो गए। नसीम आलम नारवी एक अच्छे कवि और प्रगतिशील लेखक संघ के प्रदेश के पदाधिकारी थे। वे भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राजहरा के संस्थापक सदस्यों में से थे। संयुक्त खदान मजदूर संघ एटक के सदस्य थे और वे जीवन भर कम्युनिस्ट विचारधारा से जुड़े हुए अपना जीवन जिया ये सभी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए आगे से आगे बढ़कर काम किया और पार्टी को अधिक ऊंचाई तक पहुंचाया और आज भी उनके आदर्शों पर चलकर दल्ली राजहरा कम्युनिस्ट पार्टी के कामरेड साथियों के द्वारा पार्टी के उददेश्य को आम जनता से जुड़ के पार्टी से सभी किसान, मजदूरो और बेरोजगारों के हित में कार्य करने के लिए और अधिक गति प्रदान करना है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला बालोद के सचिव कॉमरेड अनिल यादव के द्वारा कॉमरेड नसीम आलम नारवी के सम्मान को स्वीकार किया गया और छत्तीसगढ़ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा प्रदान किए गए सम्मान को नसीम आलम नारवी के पुत्र खुर्शीद आलम नारवी को अनिल यादव के द्वारा प्रदान किया गया। जिला सचिव अनिल यादव ने कहा वे हमेशा कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़ के सभी दिवंगत एवं शहीद कॉमरेड साथियों के आदर्शों में चलकर आम बेरोजगारों, किसान और मजदूरों के परेशानियों में निरंतर उनके साथ रहकर उनके हित कार्य करता रहूंगा और सभी सेवा करते रहने का आश्वासन दिया। इस बात पे कम्युनिस्ट पार्टी और राजहरा के संगठन के सभी लोगो ने खुशी जाहिर की। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के शताब्दी वर्ष समारोह में छत्तीसगढ़ के कार्यक्रम में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राजहरा एवं छत्तीसगढ़ राज्य कथा श्रमिक संघ के साथी कॉमरेड अनिल यादव, राजेंद्र बेहरा, गौतम बेरा, अजय मिश्रा उपस्थित रहे।

बाबा का समरसता का संदेश प्रासंगिक : जागृति

आसरा में गुरूबाबा घासीदास जयंती पर आयोजन

डोंगरगांव नगर। सतनाम पंथ के प्रवर्तक, महान समाज सुधारक बाबा गुरु घासीदास की 269वीं जयंती ग्राम आसरा में सामाजिक समरसता के साथ मनाई गई। इस मौके पर सुबह जैतखाम में विधिवत पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिपंसदस्य एवं सभापति जागृति चुन्नी यदु ने सम्मिलित होकर जैतखाम में श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने उदबोधन में कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी का मनखे-मनखे एक समान का संदेश आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने समाज को समानता, सत्य, अहिंसा और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके विचारों को अपनाकर ही एक सशक्त और समरस समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से नशा, भेदभाव और सामाजिक कुरीतियों से दूर रहते हुए गुरु घासीदास के आदर्शों को जीवन में उतारने की अपील की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत डोंगरगांव की अध्यक्ष रंजीता पडोटी ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मधु यदु, आसरा सरपंच शरद वैष्णव, अरुण बाई कंवर, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष मुकेश कुमार साहू, सेवा सहकारी समिति कोकपुर अध्यक्ष खेमन साहू, समाजसेवी ओंमकार साहू एवं यादवेन्द्र शामिल हुए। उक्त अवसर पर रामचंद सोनी, सुखचैन लहरे, किरत सोनी, मुलचंद बंजारे, ओमन भारती, मनोहर भारती, धन्नू भारती, राधेलाल भारती, सुरेश लहरे, चंद्रकांत कुर्रे, डोगेंद्र लहरे, भागचंद गेंड्रे, हिरेन सोनी, विकास, नैनदास, कैलाश, तारका, विवेक, संतोष, उमेश, अशोक, अमरलाल, कुन्दन सिरमौर, घनश्याम सोनी, टिकम दास लहरे, चन्द्रकांत कुर्रे एवं महामंत्री जितेन्द्र सोनी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गांजा बिक्री करते आरोपी को किया गिरफ्तार, 58 हजार से अधिक का माल जब्त

रायपुर। पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन विश्वास अभियान के अंतर्गत थाना सिटी कोतवाली दुर्ग पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने अवैध रूप से गांजा बेच रहे एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से गांजा एवं नकद रकम जब्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 20 दिसंबर 2025 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि नदी रोड महमरा एनीकट मुक्तिधाम, दुर्ग के पास एक व्यक्ति गांजा की अवैध बिक्री कर रहा है। सूचना की तस्दीक के बाद कोतवाली पुलिस टीम मौके पर पहुँची और मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम राज सारथी, पिता महेश सारथी, उम्र 26 वर्ष, निवासी मठपारा सारथी मोहल्ला, थाना सिटी कोतवाली, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) बताया। आरोपी के कब्जे से 1.102 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत 54,800 रुपये है, तथा गांजा बिक्री की रकम 3,210 रुपये बरामद की गई। इस प्रकार कुल जब्त सामग्री की कीमत 58,010 रुपये आँकी गई। पुलिस ने गांजा व नकद राशि को गवाहों की उपस्थिति में जब्त कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में अपराध क्रमांक 687/2025 दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक निर्मल सिंह ध्रुव, प्रधान आरक्षक राकेश निर्मलकर, आरक्षक कमलकांत अंगूरे एवं आरक्षक केशव कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

अड्डेबाजी, सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन व अवैध पार्किंग पर सख्त कार्रवाई

रायपुर। पुलिस द्वारा जिले में कानून-व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से ऑपरेशन सुरक्षा एवं ऑपरेशन विश्वास के तहत व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई 21 दिसंबर 2025 को छावनी, दुर्ग एवं भिलाई नगर अनुविभाग क्षेत्रों में की गई। अभियान के दौरान दुर्ग अनुविभाग में नगर पुलिस अधीक्षक हर्षित मैहर, भिलाई नगर अनुविभाग में नगर पुलिस अधीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी एवं छावनी अनुविभाग में अनूप लकड़ा के नेतृत्व में 100 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों की टीमों ने चौक-चौराहों, संदिग्ध स्थानों एवं अड्डेबाजी वाले क्षेत्रों में सघन चेकिंग की। ऑपरेशन सुरक्षा के अंतर्गत सड़क किनारे अवैध व असुरक्षित रूप से वाहन खड़े किए जाने से हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिले के सभी थानों को विशेष निर्देश दिए गए थे। इसके तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में 10 वाहन स्वामियों के विरुद्ध धारा 285 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए वाहन जब्त कर प्रकरण दर्ज किए गए। इसी तरह ऑपरेशन विश्वास अभियान के तहत आम जगहों पर शराब सेवन कर माहौल खराब करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की गई। विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कुल 22 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। दुर्ग पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा, सार्वजनिक शांति एवं अपराधों की रोकथाम के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। लापरवाह वाहन चालकों, अड्डेबाजी करने वालों एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ को पहली 8 लेन सड़क की सौगात, रायपुर-बिलासपुर यात्रा होगी आसान

रायपुर। छत्तीसगढ़ को जल्द ही प्रदेश की पहली 8 लेन सड़क की सौगात मिलने वाली है। रायपुर से बिलासपुर हाईवे को सिमगा तक 8 लेन में चौड़ी किया जाएगा, जिसके लिए डीपीआर तैयार कर ली गई है। सड़क के चौड़ीकरण से ट्रैफिक का दबाव कम होगा और रायपुर-बिलासपुर सफर करीब आधा घंटा जल्दी पूरा होगा। करीब 126 किलोमीटर लंबी सड़क का चौड़ीकरण किया जाएगा, जिसे 3 साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना पर लगभग 1000 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस मार्ग के चौड़ीकरण का काम एनएचएआई करेगा। योजना के अनुसार रायपुर से सिमगा तक सड़क को 8 लेन में बदला जाएगा। जबकि सिमगा से बिलासपुर तक का हिस्सा 6 लेन का होगा। 8 लेन सड़क बनने से रायपुर और बिलासपुर के बीच यात्रा का समय घटेगा, जिससे आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार चौड़ीकरण के लिए अगल से भूमि अधिग्रहण की जरूरत नहीं होगी। क्योंकि सड़क के दोनों ओर पहले से ही राष्ट्रीय राजमार की जमीन उपलब्ध है. करीब 126 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का चौड़ीकरण तीन साल में पूरा करने का लक्ष्या तय किया गया है। रायपुर-बिलासपुर मार्ग प्रदेश का सबसे व्यस्त सड़क मार्ग माना जाता है। सड़क से रोजना करीब 40 से 45 हजार वाहन गुजरते हैं।

बिलासपुर में तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव का भव्य शुभारंभ

युवा ही प्रदेश और देश का भविष्य हैं-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- राज्य सरकार युवाओं को शिक्षा, रोजगार और खेल सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध
- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स छत्तीसगढ़-2026 के शुभंकर 'मोर वीर', थीम सॉन्ग और खेलो इंडिया टॉर्च का अनावरण

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा और रचनात्मक क्षमता को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आज बिलासपुर के बहतराई स्टेडियम में भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तीन दिवसीय इस महोत्सव का उद्घाटन करते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स छत्तीसगढ़ 2026 के शुभंकर 'मोर वीर', थीम सॉन्ग एवं खेलो इंडिया टॉर्च का रिमोट बटन दबाकर अनावरण किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। उद्घाटन समारोह में अबूझमाड़ क्षेत्र के खिलाड़ियों द्वारा मलखंब की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी गई। महिला कबड्डी खिलाड़ी संजू देवी एवं एथलेटिक्स खिलाड़ी श्री अमित कुमार द्वारा खेलो इंडिया टॉर्च का अनावरण किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा ही देश और प्रदेश का भविष्य हैं। राज्य सरकार शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और खेल सहित हर क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। यह युवा महोत्सव न केवल युवाओं की प्रतिभाओं को पहचान देने का मंच है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम भी है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर खेलो इंडिया

में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि देने, मलखंब खिलाड़ियों को एक लाख रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान करने तथा अमेरिका गॉट टैलेंट में चयनित मलखंब खिलाड़ी अनतई पोटाई के अमेरिका आने-जाने का सम्पूर्ण व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस युवा महोत्सव में प्रदेशभर से 3,000 से अधिक युवा भाग ले रहे हैं, जो 14 सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विधाओंकृ8 दलीय एवं 6 एकलकृमें अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। लोकनृत्य, लोकगीत, वाद-विवाद, चित्रकला और कविता लेखन की विजेता प्रतिभाएँ वर्ष 2026 में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा उत्सव में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर ओलंपिक में 1 लाख 65 हजार से अधिक युवाओं की सहभागिता यह प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्त होकर शांति, विकास और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। जनजातीय अंचलों में खेलों की अपार संभावनाएँ हैं और सरकार इन क्षेत्रों की प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें आगे बढ़ा रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि युवाओं की सृजनशील सोच से ही देश आगे बढ़ता है और केंद्र व राज्य सरकारें मिलकर युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने घोषणा की कि आने वाले समय में सरगुजा अंचल में भी ओलंपिक-स्तरीय खेल आयोजनों का आयोजन किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर बदल रहा है और आज जनजातीय क्षेत्रों के युवा राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। इस अवसर पर संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, विधायकगण श्री अमर अग्रवाल, श्री धर्मजीत सिंह, श्री धरमलाल कौशिक, श्री सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, क्रेडा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी, छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम अध्यक्ष श्री राजा पांडे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी और युवा उपस्थित थे।

सार्वजनिक स्थानों में आमजनों को शीतलहर से सुरक्षा देने अलाव जलाने की व्यवस्था.......

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश की राजधानी रायपुर शहर में शीतलहर से आमजनों को सुरक्षा और त्वरित राहत देने नगर पालिक निगम के जोन कार्यालयों के माध्यम से जयस्तम्भ चौक के समीप, रेल्वे स्टेशन के पास, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी, महोबा बाजार हॉट बाजार, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर, बड़ा अशोक नगर, रोटरी नगर, टाटीबंध चौक के समीप, शंकर नगर, अवन्ति विहार कॉलोनी सहित राजधानी शहर में लगभग 30 से भी अधिक विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है. नगर निगम रायपुर द्वारा विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिदिन नियमित अलाव जलाने की व्यवस्था देने से इससे शहर के निवासी प्रतिदिन सैकड़ों आमजनों को लगातार बढ़ती शीतलहर से सहज बचाव सहित त्वरित राहत मिल रही है. रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर जोन कमिश्नरों द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से महादेवघाट रायपुरा श्री हनुमान मन्दिर के समीप और महोबा बाजार हॉट बाजार, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी चंगोराभाठा बाजार, ब्रम्हदेईपारा,शिक्षक कॉलोनी डंगनिया, खमतराई चौक के पास, जयस्तम्भ चौक के पास, रायपुर जिलाधीश परिसर के सामने डॉ भीम राव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल चौक के पास, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर के पास, मोतीबाग, डंगनिया पानी टंकी स्कूल के समीप, शंकर नगर चौपाटी, तेलीबाँधा तालाब मरीन ड्राइव, अंतर राज्यीय बस स्टैण्ड भाठागांव, भाठागांव चौक के समीप, कुकरीपारा, दूधाधारी मठ मार्ग, सरोना, चंदनीडीह, कबीर नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी फेस-2, हीरापुर चौक सुलभ शौचालय काम्प्लेक्स के समीप , कबीर चौक रामनगर, गीतांजलि नगर शंकर नगर, जगन्नाथ चौक रामनगर, कोटा, प्रियदर्शिनी नगर, भाठागांव, नगर पालिक निगम जोन 9 कार्यालय परिसर के समीप मोवा, नगर निगम जोन 10 कार्यालय और अन्य लगभग 30 से भी अधिक विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में आमजनों को शीतलहर से रायपुर शहर क्षेत्र में सुरक्षा और त्वरित राहत देने सार्वजनिक अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है.

31 दिसम्बर मनाने की तैयारियां शहर में जोर-शोर से जारी

रायपुर। राजधानी में साल के अंतिम दिन 31 दिसम्बर को शहर में होटलों एवं सांस्कृतिक संगठनों द्वारा नया वर्ष मनाने की तैयारियां जोर-शोर से जारी है। 31 दिसम्बर को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के तगड़े इंतजाम हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी किए हैं। पुलिस अधीक्षक लाल उम्मेद सिंह ने आम लोगों से नया वर्ष शांति पूर्वक मनाने की अपील की है। इधर होटल संचालकों की पिछले दिनों ली गई बैठक में इवेंट के दौरान हुल्लड़बाजी करने वालों एवं शराब के नशे में गलत हरकत करने वालों के खिलाफ तत्काल निकटतम थाना क्षेत्र में सूचित करने के निर्देश दिए हैं। हॉल ही में रायपुर में एक होटल में हुई हिंसक वारदात को पुलिस प्रशासन के उच्चाधिकारियों ने गंभीरतापूर्वक लिया है।

साय के निर्देश पर प्रारंभ की गई है प्रोजेक्ट संकल्प

आश्रम-छात्रावासों के बच्चों का संवर रहा भविष्य :सोनमणि बोरा

- शैक्षणिक अध्ययन के साथ रचनात्मक गतिविधियों, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास पर जोर

रायपुर। संवाददाता

आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा प्रदेश में प्रारंभ किए गए 'प्रोजेक्ट संकल्प' के माध्यम से आश्रम छात्रावासों में रहकर अध्ययन कर रहे बच्चों का भविष्य संवर रहा है। विभाग की इस नई पहल से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक के साथ नैतिक, सामाजिक एवं जीवन कौशल से भी सशक्त बनाया जा रहा है।आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने आज यहां बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश एवं विभागीय मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में छात्रावासी बच्चों के भविष्य को नई उड़ान देने के उद्देश्य से यह अभिनव पहल की गई है।छोटा बीज बड़े वृक्ष का बनता है आधारप्रमुख सचिव बोरा ने कहा कि जिस प्रकार छोटा बीज बड़े वृक्ष का आधार बनता है उसी प्रकार एक छोटी सकारात्मक पहल समाज में क्रांति ला सकती है। यदि विद्यार्थी को प्रारंभ से ही उच्च आदर्शों पर आधारित शिक्षा प्राप्त होगी तो वह आगे चलकर समाज एवं राष्ट्र में अपना सकारात्मक योगदान देने में सक्षम होगा। प्रोजेक्ट संकल्प'' इसी कड़ी में '' एक महत्वपूर्ण प्रयास है।प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि इस पहल के अंतर्गत छात्रावासों में अध्ययनरत बच्चों के शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों, अनुशासन, जीवन कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जर्जर सड़कें बनी राजधानी की पहचान डामरीकरण में भी हो रहा पक्षपात.........

रायपुर/ संवाददाता

नगर निगम एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा राजधानी रायपुर की जर्जर सड़कों को राजधानीवासियों के अनेकों बार ज्ञापन सौंपने के उपरांत भी सड़क मरम्मत का कार्य पूरे 70 वार्डों में नहीं चल रहा है जिसके चलते प्रदेश की राजधानी रायपुर जर्जर सड़कों की पहचान से नहीं उबर पा रही है। प्रदेश एवं आसपास के प्रदेशों से आने वाले लाखों लोग राजधानी सहित यहां की जर्जर सड़कों विशेषकर गड्ढेदार सड़कों से आवाजाही करने के लिए विवश किये जा रहे है। हाल ही में नगर निगम द्वारा व्हीआईपी क्षेत्र में सड़क डामरीकरण एवं मरम्मत कार्य शुरू किया गया है। वह भी आधा अधूरा है। सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद जैन एवं महासचिव शशांक मिश्रा ने चर्चा के दौरान बताया कि राजधानी के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को नगर निगम परिसीमन के तहत वार्डों में शामिल किया गया है किंतु आउटर के वार्डों में सड़कों की स्थिति बेहद खराब है। इधर सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. योगेश चंद्र मिश्रा एवं डॉ. चंद्रमणी तिवारी का नगर निगम आयुक्त महापौर एवं नगरीय निकाय मंत्री पर स्पष्ट आरोप है कि राजधानी विस्तार के लिए नगर निगम द्वारा नगर निवेश विभाग के जरिए बिल्डरों को नई नई कालोनियां बनाने के लिए स्वीकृति दी जा रही है किंतु अनेक अपार्टमेंट्स क्षेत्रों में एप्रोच रोड सही नहीं है। जबकि इसके पैसे भी बिल्डर द्वारा हितग्राहियों से वसूले जा रहे हैं। मोवा ओव्हरब्रिज से लगी अनेक कालोनियों में एप्रोच रोड का अभाव है। इधर दलदल सिवनी मोवा सड्डू एवं शंकर नगर आउटर से जोड़ने वाली अनेक सड़कों की स्थिति बेहद जर्जर है। मोवा निवासी ईश्वरीय साहू ने जो पैसे से दूध बेचते हैं उनका आरोप है कि अवनिविहार फेस वन से नारायणा टेक्नो स्कूल की ओर आने जाने वाली सड़क जो सर्वम एवं ग्रीन एवेंयू को जोड़ती है वह काफी जर्जर है वहीं अवनि विहार फेस टू कुसुम स्वीट्स से दलदल सिवनी की ओर जाने वाली सड़कों भी काफी जर्जर है। इलेक्ट्रीशन राजकिशोर यादव एवं ग्रामीण राहुल बंजारे ने भी दलदल सिवनी टेकारी रोड के भीतरी सड़कों के अत्यंत जर्जर होने पर रोष जाहिर करते हुए नगर निगम क्रमांक 9 के जोन आयुक्त पार्षद नगर निगम आयुक्त एवं महापौर से बिल्डरों को अपार्टमेंट्स बनाने के पूर्व नगर निवेश विभाग द्वारा दी गई।

टोकन तुंहर हाथ से बदली किसान की तक़दीर : गोढ़ी के किसान डर्मेंद्र का कहना है

रायपुर। जिले के विकासखंड कोरबा अंतर्गत ग्राम गोढ़ी के किसान श्री डर्मेंद्र कुमार डहरिया आधुनिक सुविधाओं और सरकार की किसान हितैषी व्यवस्था से संतुष्ट नज़र आते हैं। उन्होंने इस वर्ष लगभग 7 से 8 एकड़ भूमि में धान की फ़सल ली। उनके खेत में सिंचाई की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध है, जहां बोर के माध्यम से नियमित सिंचाई होती है।इस वर्ष श्री डहरिया ने नकटीखार स्थित धान उपार्जन केंद्र में कुल 59 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि धान बेचने के दौरान उन्हें किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हुई। पिछले वर्ष उन्होंने लगभग 63 क्विंटल धान बेचा था, और तब की तुलना में इस बार व्यवस्था और भी बेहतर रही। किसान का कहना है कि वर्तमान में धान उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। केंद्र पर पहुंचने के बाद लंबी कतारों में खड़े होने की मजबूरी नहीं है। टोकन तुंहर हाथ एप्लीकेशन के माध्यम से किसान आसानी से टोकन कटवा लेते हैं और अपनी सुविधा अनुसार तय दिन पर धान विक्रय कर सकते हैं।श्री डहरिया ने यह भी बताया कि धान बेचने के कुछ ही दिनों के भीतर भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में जमा हो जाता है, जिससे बैंक के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती।

विभाग की जरूरत के अनुसार अधिकारी कर्मचारियों का प्रशिक्षण कोर्स तय होगा

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने कहा है कि विभागीय अधिकारी कर्मचारियों की क्षमता विकास के लिए विभाग की जरूरत एवं पदों के अनुरूप प्रशिक्षण कोर्स तय किए जायें, जिससे वे कार्यक्रम मिशन कर्मयोगी के लक्ष्य के अनुरूप कार्य कर सकें। मुख्य सचिव ने कहा कि कर्मचारियों की पदोन्नति एवं नवीन पदस्थापना होने पर उन्हें अपने नवीन पद के दायित्वों एवं कर्त्तव्यों के निर्वहन एवं क्षमता विकास के लिए एक सप्ताह का संस्थागत प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने आज यहां नवा रायपुर के आई.आई.आई.टी. में क्षमता विकास आयोग भारत सरकार तथा छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला में अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्बोधित किया। कार्यशाला में गृह एवं जेल विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ भी शामिल हुए। मुख्य सचिव ने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों से क्षमता विकास कार्यशाला में क्षमता आयोग भारत सरकार की तकनीकी के सदस्यों से प्रशिक्षण कोर्स के संबंधी जरूरी मार्गदर्शन एवं तकनीकी जानकारी हासिल कर लें। क्षमता विकास पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाल में राज्य शासन के चयनित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी को अपने विभाग की क्षमता विकास योजना बनाने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस टूल की तकनीकों का डेमोस्ट्रेशन के माध्यम से मार्गदर्शन एवं महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यशाला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास तथा परिवहन विभाग द्वारा क्षमता विकास के लिए तैयार प्रशिक्षण कोर्स का प्रस्तुतिकरण के जरिए प्रदर्शन किया गया। जिसे अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा भी देखा गया। आगामी दिनों में क्षमता निर्माण योजना पर आधारित अन्य विभागों के लिए आयोजित की जाएगी। कार्यशाला में क्षमता विकास आयोग भारत सरकार की तकनीकी टीम के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण कोर्स बनाने कम्प्यूटर आधारित व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया है। कार्यशाला में क्षमता विकास आयोग के चेयरपर्सन श्रीमती एस.राधा. चौहान ने भारत सरकार के महत्वपूर्ण कर्मचारी मिशन कर्मयोगी के तहत तथा विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम को क्षमता विकास आयोग की प्रमुख सलाहकार चंदलेखा मुखर्जी, प्रशासनिक अकादमी के डीजी श्री सुब्रत साहू, संचालक टी.एस. महावार ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, नगरीय प्रशासन एवं मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजू एस., सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अविनाश चम्पावत, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

अपटेलपाली कृषि उपज मंडी में 6.15 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन

किसानों की सुविधाओं और मंडी अधोसंरचना को मिलेगा नया आयाम: कृषिमंत्री राम विचार नेताम

रायपुर/ संवाददाता

राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर रायगढ़ जिले में कृषि एवं मंडी अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। कृषि मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री श्री राम विचार नेताम ने आज कृषि उपज मंडी समिति पटेलपाली रायगढ़ में 6.15 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ भूमिपूजन किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के कल्याण और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में जनादेश परब का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विकास कार्यों को जनता के सामने प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी के अंतर्गत की गई घोषणाओं को ईमानदारी से धरातल पर उतारा जा रहा है। आज जिन कार्यों का भूमिपूजन किया गया है, उनसे किसानों को बेहतर भंडारण सुविधा, सुगम आवागमन और आधुनिक मंडी अधोसंरचना उपलब्ध होगी, जिससे कृषि उपज के प्रबंधन और विपणन में उल्लेखनीय सुधार आएगा। इन कार्यों के पूर्ण होने से मंडी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, किसानों को उपज के भंडारण एवं विक्रय में सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास को गति प्राप्त होगी। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्रदेश में सरकार के गठन के बाद से रायगढ़ जिले में अभूतपूर्व विकास कार्य किए जा रहे हैं। मंडी क्षेत्र में हुए विकास को किसान और व्यापारी प्रत्यक्ष रूप से महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री के नेतृत्व में मंडियों का विकास किसानों के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मजबूत कृषि अधोसंरचना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और किसान सशक्त होंगे। उन्होंने राष्ट्रीय किसान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए जय जवान-जय किसान का नारा दिया।

संपादकीय

हाईवे पर हो रही मौतों के लिए जवाबदेह कौन ?

पिछले कुछ समय से राष्टीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर जिस तरह के हादसे हुए, उसमें वाहन चालकों की लापरवाही या चूक को जिम्मेदार बताया जा सकता है। मगर सड़क किनारे बने ढाबे या होटल भी इसका बड़ा कारण बन रहे हैं, क्योंकि अक्सर इनके सामने ट्रक या अन्य वाहन खड़े कर दिए जाते हैं और वहां से गुजरने वाली कोई अन्य गाड़ी उनसे टकरा जाती है। ऐसे अनेक मामले सामने आए, जिसमें पिछले महीने की शुरुआत में राजस्थान के फलोदी में एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने की घटना ने सबका ध्यान खींचा था। उसमें दस महिलाओं और चार बच्चों सहित पंद्रह लोगों की जान चली गई थी।इस घटना का सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया और ऐसे हादसों को लेकर चिंता जताई थी। उसी मामले की सुनवाई के दौरान सोमवार को शीर्ष अदालत ने राष्टीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआइ और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी जताई। अदालत ने यह भी कहा कि एक्सप्रेस-वे और राष्टीय राजमार्गों के किनारे बने अवैध ढाबे तथा होटल सड़क हादसों की बड़ी वजह बन रहे हैं और इसे रोकने के लिए पूरे देश में लागू होने वाले दिशा-निर्देशों पर विचार किया जाएगा।यह कोई छिपी बात नहीं है कि लंबी दूरी की निर्बाध सड़कों के किनारे कई जगहों पर ढाबे या होटल तो बना दिए जाते हैं, लेकिन वहां सड़क से अलग हट कर वाहन लगाने के लिए जगह नहीं होती। नतीजतन, वहां खाने-पीने आदि के लिए रुकने वाले लोग अपनी गाड़ी सड़क किनारे ही खड़ी कर देते हैं। जबकि ऐसी सड़कों पर आमतौर पर वाहनों की रफ्तार काफी तेज होती है और पीछे से आने वाली गाड़ियों के टकराने की आशंका हमेशा बनी रहती है। इसके बावजूद बड़े पैमाने पर सड़क किनारे बिना रोकटोक के ऐसे ढाबे और होटल चलने की जिम्मेदारी किसकी है? एक ही प्रकृति के लगातार हादसों और ज्यादातर घटनाओं में कारण स्पष्ट होने के बावजूद सरकार की ओर से अब तक इस दिशा में कोई पहल क्यों नहीं की गई? इसी को रेखांकित करते हुए अदालत ने सवाल उठाया है कि इस तरह के ढाबों पर कार्रवाई के लिए कौन-से नियम हैं और अब तक इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं।हैरानी की बात है कि लगातार सड़क हादसों के कारणों की पहचान करके उसे दूर करने के लिए सरकार और संबंधित महकमों को खुद अपनी ओर से जो पहल करनी चाहिए थी, उसके बारे में सुप्रीम कोर्ट को ध्यान दिलाना पड़ता है।देश भर में अच्छी सड़कों का जाल तो बिछाया जा रहा है, लेकिन उन पर सफर भी उतनी ही सुरक्षित हो, यह सुनिश्चित करने का सवाल एक तरह से हाशिये पर छोड़ दिया गया है।

तमिलनाडु में भाजपा ने बिछाई गजब की चौसर, अनुभवी मोहरों को उतार कर विरोधियों की मुश्किलें खड़ी की

हम आपको याद दिला दें कि पीयूष गोयल पहले भी 2019 के लोकसभा चुनावों में तमिलनाडु के प्रभारी रह चुके हैं और उस समय उन्होंने भाजपा तथा अन्नाद्रमुक के बीच गठबंधन को आकार देने में अहम भूमिका निभाई थी। तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियों को तेज़ कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि भाजपा का अगला लक्ष्य तमिलनाडु है। इसके बाद पार्टी ने राज्य में संगठनात्मक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में भाजपा ने वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को एक बार फिर तमिलनाडु का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और मुरलीधर मोहोल को सह-प्रभारी बनाया गया है। यह नियुक्तियाँ इस बात का संकेत हैं कि भाजपा राज्य में आगामी चुनाव को बेहद गंभीरता से ले रही है। हम आपको याद दिला दें कि पीयूष गोयल पहले भी 2019 के लोकसभा चुनावों में तमिलनाडु के प्रभारी रह चुके हैं और उस समय उन्होंने भाजपा तथा अन्नाद्रमुक के बीच गठबंधन को आकार देने में अहम भूमिका निभाई थी। अन्नाद्रमुक के महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) को एक सख्त और कुशल वार्ताकार माना जाता है और ऐसे में गोयल का अनुभव भाजपा के लिए उपयोगी माना जा रहा है।

(नीरज कुमार दुबे)

सूत्रों के अनुसार, गोयल सीट बंटवारे के साथ-साथ गठबंधन से जुड़े अन्य संवेदनशील मुद्दों पर भी ईपीएस से बातचीत करेंगे।

हम आपको यह भी बता दें कि भाजपा इस समय अन्नाद्रमुक पर यह दबाव बना रही है कि वह ओ. पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) और टी.टी.वी. दिनाकरन जैसे विद्रोही नेताओं को कम से कम एनडीए के सहयोगी के रूप में स्वीकार करे। ईपीएस इन नेताओं को दोबारा अन्नाद्रमुक में शामिल करने के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन भाजपा का मानना है कि इन्हें एनडीए से बाहर रखना मुकुलथोर समुदाय के मतदाताओं को दूर कर सकता है, जिसका नुकसान सीधे-सीधे भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन को होगा। सूत्रों के मुताबिक, ओपीएस ने हाल की बैठकों में भाजपा नेतृत्व को यह भरोसा दिलाया है कि वह फरवरी तक किसी अन्य राजनीतिक विकल्प की ओर नहीं जाएंगे। वहीं टीटीवी दिनाकरन का रुख अधिक आक्रामक माना जा रहा है, क्योंकि वह ईपीएस के नेतृत्व को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। भाजपा नेतृत्व आने वाले हफ्तों में दिनाकरन से भी संपर्क साधने की योजना बना रहा है, ताकि मुकुलथोर वोटों का विभाजन रोका जा सके। भाजपा ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह 2026 के विधानसभा चुनाव में पहले की तुलना में अधिक सीटों की मांग करेगी। पार्टी का दावा है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उसे लगभग 11 प्रतिशत वोट शेयर मिला था और पूरे एनडीए को करीब 18 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। ऐसे में भाजपा 2021 की तरह 20 सीटों पर संतोष नहीं करेगी। पार्टी ने लगभग 50 सीटें अपने लिए और 15 सीटें 'मैत्रीपूर्ण सहयोगियों' के लिए चिन्हित की हैं, जिन पर कमल के चुनाव चिह्न पर उम्मीदवार उतारे जा सकते हैं। इसी बीच, भाजपा ने असम के लिए भी संगठनात्मक नियुक्तियाँ की हैं। वरिष्ठ नेता बैजयंत पांडा को असम का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। पांडा इससे पहले 2021 के असम विधानसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता में वापस लाने में अहम भूमिका निभा चुके हैं। यह नियुक्तियाँ यह

दर्शाती हैं कि भाजपा चुनावी प्रबंधन में अनुभवी और भरोसेमंद नेताओं पर दांव लगा रही है। देखा जाये तो तमिलनाडु लंबे समय से भाजपा के लिए एक कठिन राजनीतिक मैदान रहा है। द्रविड़ राजनीति की गहरी जड़ें, भाषा और सांस्कृतिक पहचान का सवाल तथा डीएमके-अन्नाद्रमुक की पारंपरिक पकड़, इन सबके बीच भाजपा को अब तक सीमित सफलता ही मिली है। लेकिन हालिया घटनाक्रम यह संकेत देता है कि भाजपा इस बार केवल 'सहयोगी की भूमिका' में नहीं रहना चाहती, बल्कि राज्य की राजनीति में निर्णायक हस्तक्षेप करने की रणनीति पर काम कर रही है। पीयूष गोयल की पुनर्नियुक्ति महज़ सामान्य राजनीतिक फैसला नहीं है, बल्कि यह भाजपा की रणनीतिक सोच को दर्शाता है। पीयूष गोयल न केवल एक अनुभवी मंत्री हैं, बल्कि जटिल गठबंधनों को संभालने में भी माहिर माने जाते हैं। उनकी शांत लेकिन दृढ़ कार्यशैली ईपीएस जैसे नेताओं से बातचीत में संतुलन बना सकती है। वहीं अर्जुन मेघवाल का संगठनात्मक अनुभव और संसदीय समझ तथा मुरलीधर मोहोल की युवा ऊर्जा और जमीनी संपर्क क्षमता इस टीम को और मज़बूत बनाती है। वहीं असम में बैजयंत पांडा की भूमिका भाजपा की उस रणनीति का उदाहरण है, जिसमें चुनावी प्रबंधन को एक पेशेवर कौशल के रूप में देखा जाता है। हम आपको याद दिला दें कि पांडा ने पहले भी साबित किया है कि वह संगठन, सरकार और सहयोगी दलों के बीच समन्वय स्थापित करने में सक्षम हैं। यह मॉडल अब तमिलनाडु में भी लागू किया जा रहा है। तमिलनाडु में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह खुद को केवल अन्नाद्रमुक की 'जूनियर पार्टनर' छवि से बाहर निकाले। अधिक सीटों की मांग और अलग पहचान बनाने की कोशिश इसी दिशा में उठाया गया कदम है। यदि भाजपा ओपीएस और टीटीवी जैसे नेताओं को एनडीए में बनाए रखने में सफल होती है, तो यह न केवल सामाजिक संतुलन को साधेगा बल्कि डीएमके के खिलाफ एक व्यापक मोर्चा भी तैयार करेगा। बहरहाल, भविष्य की राजनीति के लिहाज़ से देखें तो भाजपा तमिलनाडु में धीरे-धीरे एक वैकल्पिक ध्रुव बनाना चाहती है। संगठनात्मक विस्तार, नेतृत्व में विविधता और राष्टीय स्तर की जीतों, जैसे बिहार में एनडीए की हालिया सफलता, का हवाला देकर पार्टी यह संदेश देना चाहती है कि वह केवल उत्तर भारत की पार्टी नहीं रही। यदि यह रणनीति ज़मीन पर असर दिखाती है, तो आने वाले वर्षों में तमिलनाडु की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर सकती है, जहां भाजपा केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक खिलाड़ी होगी। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

विजय दिवस -संकल्पशक्ति ने विश्व के सामने अपना लोहा मनवाया

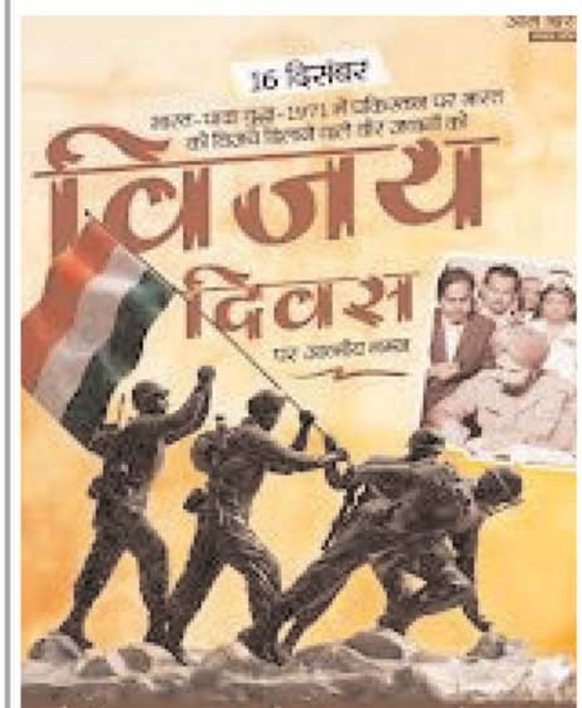

(अनन्या मिश्रा)

16 दिसंबर को विजय दिवस मनाया गया। यह दिन भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम दिन है, जब देश के सामने पराजय ने अपने घुटने टेक दिए थे और भारतीय सैन्य बलों की संकल्पशक्ति ने विश्व के सामने अपना लोह मनवाया। 16 दिसंबर का दिन भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम दिन है, जब देश के सामने पराजय ने अपने घुटने टेक दिए थे और भारतीय सैन्य बलों की संकल्पशक्ति ने विश्व के सामने अपना लोह मनवाया। 16 दिसंबर 1971 में भारत ने पाकिस्तान पर निर्णायक विजय प्राप्त की थी और बांग्लादेश के रूप में एक स्वतंत्र राष्ट अस्तित्व में आया था। यह दिन सिर्फ युद्ध को याद करने तक सीमित नहीं बल्कि भारतीय सेना की रणनीतिक कौशल, साहस और राष्टहित के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदान का जीवंत प्रमाण है। बता दें कि भारत-पाकिस्तान युद्ध की जड़ें बंटवारे के बाद पूर्वी पाकिस्तान में पनप रहे राजनीतिक और सांस्कृतिक भेदभाव में थीं। वहां पर होने वाले नरसंहार, नागरिकों पर अत्याचार और मानवाधिकारों के उल्लंघन ने स्थिति को अधिक जटिल बना दिया था।

स्वतंत्रता की मांग

वहीं 26 मार्च 1971 को पूर्वी पाकिस्तान में स्वतंत्रता की मांग उठी। जिसके बाद पाकिस्तान ने उसको बलपूर्वक कुचलने का प्रयास किया। ऐसे में मानवीय आधार पर भारत ने बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम का समर्थन किया, जोकि युद्ध में बदल गया।

भारत-पाकिस्तान का युद्ध

औपचारिक रूप से 03 दिसंबर 1971 को युद्ध शुरू हुआ और मात्र 13 दिनों में इतिहास रच दिया गया। वहीं 16 दिसंबर को ढाका में भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया। करीब 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों का समर्पण विश्व सैन्य इतिहास की सबसे बड़ी घटनाओं में शामिल है।

बांग्लादेश को दिलाई थी स्वतंत्रता

देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में हुए इस युद्ध में भारत ने सैन्य और कूटनीतिक दोनों मोर्चों पर निर्णायक भूमिका निभाई। भारत ने न सिर्फ बांग्लादेश की आजादी में सहायता की बल्कि लाखों शरणार्थियों को सुरक्षित आश्रय दिया। इसी के उपलक्ष्य में हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारतीय सेना के शौर्य, नेतृत्व और बलिदान को नमन किया जाता है।

नवाचार का 70वाँ 'विधान'

प्रो. मनोज कुमार

मध्यप्रदेश की पहचान एक उत्सवी प्रदेश की रही है लेकिन वह नवाचार का प्रदेश भी रहा है. अनेक ऐसे मौके और प्रसंग आए हैं, जब मध्यप्रदेश का नवाचार देश के लिए आदर्श बना हुआ है. मध्यप्रदेश विधानसभा ने अपना 69वाँ स्थापना दिवस मनाकर अगले वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर आयोजित विशेष सत्र में यह देखने को मिला. मध्य प्रदेश विधानसभा में लगभग एक दशक बाद विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। इससे पहले वर्ष 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में विशेष सत्र आयोजित किया गया था। इसके अलावा वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ के गठन के समय और 1997 में आजादी की 50वीं वर्षगांठ पर भी विशेष सत्र बुलाया गया था। विधानसभा अध्यक्ष के नवाचार पहल के अंतर्गत यह आयोजन किया गया. हालाँकि इसके पूर्व हर वर्ष प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्रियों और विधानसभा अध्यक्षों की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण करने की परम्परा का श्रीगणेश भी किया गया।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश की स्थापना के साथ ही पंडित रविशंकर शुक्ल से लेकर वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व की समीक्षा की गई. इस उत्सवी बैठक में खुले मन से सभी पूर्व मुख्यमंत्रियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए इस बात से परहेज करने के बजाय सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की चर्चा की गई. इसे आप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सूत्र वाक्य 'सबका साथ, सबका विकास' की दृष्टि से भी निरपेक्ष होकर देख सकते हैं. मध्यप्रदेश की यही विशेषता मध्यप्रदेश को अलग और उसे देश का हृदयप्रदेश कहा जाता है. सामान्य दिनों में विधानसभा में जिस तरह सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष आमने-सामने होते हैं तो लगता है कि ये प्रतिद्वंदी हैं लेकिन वास्तविकता है कि दोनों ही सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष प्रदेश और जनता के हित में चर्चा करते हैं. एक सशक्त विपक्ष लालटेन की भाँति सरकार का पथ प्रदर्शक होता है लेकिन राजनीतिक सौम्यता हमारे अपने मध्यप्रदेश की धरोहर है और जो विधानसभा में देखने को मिला.

सत्तर साल पहले मध्यप्रदेश विधानसभा का जब गठन हुआ था, तब प्रथम विधानसभा अध्यक्ष पंडित कुंजीलाल दुबे थे, जिन्होंने 1 नवंबर 1956 से 7 मार्च 1967 तक इस पद पर कार्य किया और मध्य प्रदेश के गठन के समय से लेकर शुरुआती तीन विधानसभाओं (1956-1957, 1957-1962, 1962-1967) के अध्यक्ष रहे। इनके पश्चात श्री काशीप्रसाद पाण्डे, श्री तेजलाल टेंभरे, श्री गुलशेर अहमद, श्री मुकुन्द सखाराम नेवालकर, श्री यज्ञदत्त शर्मा, श्री रामकिशोर शुक्ला, श्री राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल, श्री बृजमोहन मिश्रा, श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी, श्री ईश्वरदास रोहाणी, डॉ. सीतासरन शर्मा, श्री नर्मदा प्रसाद प्रजापति (एन. पी.), श्री गिरीश गौतम विधानसभा अध्यक्ष की आसंदी पर बने रहे. सभी ने अपने गुरुत्तर दायित्व का निर्वहन कर विधानसभा की मान्य परम्पराओं का पालन किया.

वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर अपने सौम्य स्वभाव के लिए परिचित हैं. अनेक बार राज्य में मंत्री एवं अन्य उच्च पदों पर रहने वाले श्री तोमर के स्वभाव में नवाचार है. विधानसभा अध्यक्ष के रूप में उनके नवाचार की स्वाभाविक अपेक्षा होती है और

उन्होंने प्रदेश की अपेक्षा को पूर्ण करने की पहल की. विधानसभा अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के तुरंत बाद श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा था कि 'मेरी कोशिश होगी कि मेरी निगाह और नजर हर सदस्य पर रहे। उसका जो हक है उसे मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने नए सदस्यों को सीखने और अध्ययन करने की सलाह दी, वहीं पुराने सदस्यों को नसीहत देते हुए कहा कि वे ये न सोचें की वे सब कुछ सीख गए हैं। वे विद्यार्थी का भाव हमेशा रखें। उन्होंने कहा कि मेरे से पूर्व सभी अध्यक्षों ने अनेक मानदंड स्थापित किए हैं। परंपरा स्थापित की है। अपने-अपने कार्यकाल में अपने-अपने ढंग से सदन का गौरव बढ़े, इस बात का प्रयत्न किया गया है। अध्यक्ष के रूप में आप सब की निश्चित रूप से मुझसे भी ऐसी अपेक्षा है। मेरी ईमानदार कोशिश होगी कि मैं आपकी अपेक्षा के अनुसार अपने दायित्व का निर्वहन कर सकूं।'

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की पहल पर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल की जयंती पर मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में पुष्पांजलि का आयोजन के साथ विधानसभा में दिवंगत मुख्यमंत्रियों और विधानसभा अध्यक्षों की जयंती मनाने की परंपरा की शुरुआत हुई। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा था कि अब हर वर्ष प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्रियों और विधानसभा अध्यक्षों की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया जाएगा। पं. शुक्ल का जीवन हमें सेवा, समर्पण और विकास की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 1956 को मध्यप्रदेश राज्य का गठन हुआ। प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल जी के जीवन और संघर्ष से हम सभी प्रेरणा लेते हैं। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि हम सभी को उनके बताए मार्ग पर चलने की शक्ति और सामर्थ्य प्रदान करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर यह नवाचार किया है।

करीब सात दशक के सफर में मध्यप्रदेश विधानसभा का लंबा अनुभव है. कई बार ऐतिहासिक अनुभवों से गुजरा तो कई बार खट्टे अनुभव भी हुए लेकिन मान्य परम्परा का हमेशा निर्वाह किया गया. 1956 में नए मध्यप्रदेश का गठन हुआ तो छत्तीसगढ़ अविभाज्य अंग था तो इसी विधानसभा में साल 2000 में मध्यप्रदेश का विभाजन हुआ और छत्तीसगढ़ राज्य बनाने की सहमति प्रदान की. तत्कालीन उप-नेता प्रतिपक्ष राकेश चतुर्वेदी 13वीं विधानसभा सत्र के दरम्यान ही कांग्रेस छोडक़र भाजपा के साथ हो लिए थे. उस समय उन्हें कांग्रेस की ओर से सत्तापक्ष को घेरने की जवाबदारी थी क्योंकि अविश्वास प्रस्ताव की ओर से चर्चा होनी थी. ऐसे कई प्रसंग है जिन्हें स्मरण किया जा सकता है.

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर अपने कार्यकाल में नवाचार के लिए जाने जाएंगे. अभी तो विधानसभा में नवाचार का श्रीगणेश हुआ है. आगे भी अनेक प्रसंग पर चर्चा का अवसर मिलेगा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर की दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उनकी कार्यशैली केवल मध्यप्रदेश के लिए नहीं अपितु समूचे देश के लिए नजीर बनेगा. (लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

भानुप्रतापपुर गौतम हॉस्पिटल में नियमों की धज्जियां, मेडिकल वेस्ट को खुले में जलाने से मरीजों की जान पर आफत

भानुप्रतापपुर। नगर के शासकीय अस्पताल हो या निजी अस्पताल हो इन दिनों अपनी चिकित्सा सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि भारी अव्यवस्थाओं और लापरवाही के लिए चर्चा में है। अस्पताल प्रबंधन की अनदेखी का आलम यह है कि मरीजों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। अस्पताल परिसर में न केवल स्वच्छता के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, बल्कि बायो-मेडिकल वेस्ट को खुले में जलाकर गंभीर बीमारियों को न्योता दिया जा रहा है। सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों और अव्यवस्थाओं से बचने के लिए आम आदमी अपनी जमा-पूंजी लेकर निजी अस्पतालों का रुख करता है। लेकिन नगर के प्रतिष्ठित कहे जाने वाले गौतम अस्पताल की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। भारी-भरकम फीस वसूलने के बावजूद, अस्पताल प्रशासन मरीजों को बुनियादी सुविधाएं देने में भी नाकाम साबित हो रहा है। अस्पताल के खिलाफ सबसे बड़ी शिकायत वहां के नर्सिंग स्टाफ को लेकर है। मरीजों और उनके परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में अनुभवी नर्सों की भारी कमी है। अधिकांश कार्य नौसिखिया स्टाफ के भरोसे छोड़ दिया गया है, जिन्हें न तो इंजेक्शन लगाने का सही तरीका पता है और न ही आपातकालीन स्थिति को संभालने का अनुभव। इस लापरवाही के कारण मरीजों की जान पर जोखिम बना रहता है।

रसोई के पास जलता मेडिकल वेस्ट, सांस लेना हुआ दूभर

हैरत की बात यह है कि जहाँ मरीज के परिजन खाना बनाते हैं और जहाँ अस्पताल का कैंटीन स्थित है, ठीक उसी के पास हॉस्पिटल से निकलने वाला मेडिकल वेस्ट और अन्य कचरा खुले में जलाया जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि यह किसी एक दिन की बात नहीं है, बल्कि यह यहाँ का रोज का सिलसिला है। कचरा जलने से उठने वाला काला धुआं और उससे निकलने वाली असहनीय दुर्गंध के कारण लोगों का वहाँ खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

लगातार मिल रही शिकायतों के बावजूद अब तक इस निजी अस्पताल पर कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई है। सवाल यह उठता है कि क्या स्वास्थ्य विभाग किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है? स्थानीय निवासियों और मरीजों के परिजनों ने मांग की है कि इस मामले की तत्काल जांच की जाए और अस्पताल प्रबंधन पर सख्त कार्रवाई की जाए।

बीमारियों का घर बन सकता है अस्पताल

भारत सरकार और मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के कड़े दिशा-निर्देशों के बावजूद, मेडिकल कचरे को इस तरह जलाना कानूनी अपराध है। विशेषज्ञों के अनुसार, बायो-मेडिकल वेस्ट से एचआईवी, हेपेटाइटिस, महामारी और संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। खुले में धुआं फैलने से श्वसन संबंधी बीमारियां होने की भी प्रबल आशंका है।

शौचालय बदहाल, स्टाफ का व्यवहार भी गैर-जिम्मेदाराना

अस्पताल की दुर्दशा यहीं खत्म नहीं होती। महिला और पुरुष शौचालयों की स्थिति इतनी दयनीय है कि वहाँ गंदगी का अंबार लगा हुआ है। मजबूरी में मरीजों और परिजनों को उन्हीं गंदे शौचालयों का उपयोग करना पड़ रहा है। इसके अलावा, मरीजों ने शिकायत की है कि अस्पताल में अनुभवी नर्सों की जगह 'नौसिखिया' स्टाफ से इंजेक्शन लगवाया जा रहा है, जिससे अक्सर विवाद की स्थिति निर्मित होती है। अस्पताल स्टाफका व्यवहार भी मरीजों के प्रति रुखा और अपमानजनक बताया जा रहा है।

मैलावाड़ा में 'गंगनादई क्रिकेट क्लब' टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

किरन्दुल। ग्राम पंचायत मैलावाड़ा में खेल और भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गंगनादई क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित एक साप्ताहिक क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष (कुआकोण्डा) सुकालू मुड़ामी ने फीता काटकर एवं पिच पर हाथ आजमाकर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। जनपद अध्यक्ष मुड़ामी ने खिलाड़ियों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल अनुशासन और टीम भावना सिखाते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा, खेल मनोरंजन के साथ-साथ एक स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहायक होते हैं। यह मंच युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और आपस में जुड़ने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। उद्घाटन मैच में पहला मुकाबला किरंदुल और दंतेवाड़ा के बीच खेला गया। एक बेहद रोमांचक मुकाबले में किरंदुल की टीम ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर दंतेवाड़ा को हराकर जीत के साथ टूर्नामेंट में अपना खाता खोला। इस दौरान सुमित भदौरिया, अनोज भदौरिया, सुंदर नाग सहित आयोजन समिति के समस्त सदस्य और भारी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

कोण्डागांव समेत छत्तीसगढ़ बंद, कांकेर घटना के विरोध में सर्व समाज का आह्वान

कोण्डागांव। कांकेर जिले के आमाबेड़ा क्षेत्र में हाल ही में दो समुदायों के बीच हुए विवाद के बाद उत्पन्न तनावपूर्ण स्थिति को लेकर सर्व समाज ने कड़ा रुख अपनाया है। इसी क्रम में बुधवार को कोण्डागांव जिला सहित पूरे छत्तीसगढ़ में बंद का आहवान किया गया है। इस संबंध में मंगलवार को कोण्डागांव के पुराना रेस्ट हाउस में सर्व समाज के तत्वावधान में एक प्रेसवार्ता आयोजित की गई।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जनजाति सुरक्षा मंच छत्तीसगढ़ के संयोजक गोरखनाथ बघेल ने कांकेर की घटना पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांकेर में बाहरी भीम सेना के माध्यम से उपद्रव किया गया, लेकिन उपद्रव में शामिल लोगों के विरुद्ध केवल सामान्य धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। वहीं दूसरी ओर जनजाति समाज के संरक्षण और अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले लोगों पर कठोर कार्रवाई की गई, जो पूरी तरह से अनुचित है।

पांच सूत्रीय मांगों के समर्थन में बंद

सर्व समाज ने इस कथित भेदभावपूर्ण कार्रवाई के विरोध में पांच सूत्रीय मांगों को लेकर बुधवार को संपूर्ण छत्तीसगढ़ बंद का आवाहन किया है। बंद के दौरान व्यापारिक प्रतिष्ठान पूर्णतः बंद रहेंगे, लेकिन यातायात व्यवस्था, शासकीय कार्यालयों में और आपातकालीन सेवाओं को बंद से मुक्त रखा गया है। सर्व समाज ने आम नागरिकों से बंद को शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से सफल बनाने की अपील की है। साथ ही प्रशासन से मांग की है कि कांकेर मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध समान और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नफरत नहीं, न्याय का राज: सुकमा में डर की कोई जगह नहीं: दीपिका शोरी

भय और भ्रम फैलाने वालों को दो टूक- किसी भी वर्ग को डरने की जरूरत नही

सुकमा। शांतिप्रिय जिला, डर की कोई जगह नहीं, जिले में आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को कमजोर करने की कोशिशों पर कड़ा संदेश देते हुए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने स्पष्ट कहा है कि सुकमा एक शांतिप्रिय जिला है और यहां किसी भी वर्ग को डरने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने समाज में भ्रम फैलाने और भड़काऊ बयान देने वालों को गंदी मानसिकता से बाहर निकलने की नसीहत दी।

वायरल वीडियो से फैला भय का माहौल

विदित हो कि पड़ोसी राज्य मलकानगिरी में दो वर्गों के बीच बने तनावपूर्ण हालात के बीच सुकमा के एक नेता का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अन्य प्रदेशों से आए लोगों के खिलाफ स्थानीय लोगों को संबोधित किया गया है, जिससे वर्षों से जिले में निवास कर रहे अन्य वर्गों के लोगों में भय और असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो गई है।

आदिवासी समाज को भड़काने की कोशिश दुर्भाग्यपूर्ण

पूरे प्रकरण पर बिना किसी का नाम लिए प्रतिक्रिया देते हुए दीपिका शोरी ने कहा कि कुछ लोग कानूनी जानकारी से वंचित भोले-भाले आदिवासी भाई-बहनों को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सुकमा की पहचान हमेशा से आपसी प्रेम, सहयोग और भाईचारे से रही है।

वर्षों से एक परिवार की तरह रह रहे हैं लोग

दीपिका शोरी ने कहा कि सुकमा में आदिवासी समाज और अन्य प्रदेशों से आए लोग वर्षों से मित्रवत, सखा और पारिवारिक संबंधों के साथ निवास कर रहे हैं। किसी एक व्यक्ति के गलत आचरण के आधार पर पूरे समाज को दोषी ठहराना सामाजिक सौहार्द को तोड़ने की साजिश है।

अप्रिय घटना की जिम्मेदारी कौन लेगा?

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भड़काऊ भाषणों के प्रभाव में आकर कोई अप्रिय वारदात होती है, तो क्या ऐसे बयान देने वाले इसकी जिम्मेदारी लेंगे? उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज को तोड़ने वाली राजनीति बेहद खतरनाक है।

कानून हाथ में लेने का खामियाजा जीवनभर

दीपिका शोरी ने कहा कि यदि कानूनी अज्ञानता के कारण आदिवासी भाई-बहन कानून अपने हाथ में लेते हैं, तो उन्हें जीवनभर कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। ऐसे में यह भी सवाल है कि क्या भड़काने वाले लोग इसकी जिम्मेदारी उठाएंगे?

राजनीतिक स्वार्थ के लिए आदिवासियों का उपयोग न करें

उन्होंने कहा कि जो लोग आदिवासी समाज की चिंता का दिखावा कर रहे हैं, उन्हें पहले यह देखना चाहिए कि उनके पास राशन कार्ड है या नहीं, विधवाओं और निराश्रितों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन मिल रही है या नहीं। राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए आदिवासी समाज का इस्तेमाल बंद किया जाना चाहिए।

अन्य प्रदेशों से आए लोगों से संयम और सतर्कता की अपील

अन्य प्रदेशों से आकर सुकमा में निवास कर रहे लोगों को संदेश देते हुए दीपिका शोरी ने कहा कि डरने की नहीं, बल्कि सचेत रहने की आवश्यकता है। भारत का संविधान हर नागरिक को देश के किसी भी हिस्से में रहने और जीवन यापन करने का अधिकार देता है।

संविधान और भाईचारे पर भरोसा रखने की अपील

उन्होंने सभी से अपील की कि संविधान पर विश्वास रखें और आदिवासी समाज के साथ पहले की तरह एक परिवार बनकर, आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ जीवन व्यतीत करें।

विष्णु का सुशासन, अन्याय की कोई जगह नहीं

अंत में दीपिका शोरी ने कहा कि यह विष्णु का सुशासन है, जहां सभी के साथ न्याय होगा। अन्याय की कोई जगह नहीं है और गलत मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

सामाजिक समरसता की मजबूत आवाज बनकर उभरीं दीपिका शोरी

इस पूरे घटनाक्रम में दीपिका शोरी की भूमिका आदिवासी और सामान्य वर्ग के बीच प्रेम, शांति और सामाजिक समरसता को मजबूत करने वाली एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि के रूप में सामने आई है, जिन्होंने समय रहते सुकमा की शांत छवि को बचाने का स्पष्ट और मजबूत संदेश दिया।

कांग्रेस की कमान राजेश दीवान के हाथों में, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की उपस्थिति में हुआ पदभार ग्रहण समारोह

नारायणपुर। नारायणपुर जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश दीवान ने समारोह में जिला कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। यह कार्यक्रम नारायणपुर जिला मुख्यालय में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। पदभार ग्रहण समारोह के दौरान हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नव-नियुक्त अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत किया। जिला कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठों (विंग्स) द्वारा अपने नए अध्यक्ष का जोरदार अभिनंदन किया गया। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली निकालकर प्रदेश अध्यक्ष सहित नेताओं का स्वागत किया, वहीं महिला कांग्रेस ने नेताओं का पारंपरिक रूप से माल्यार्पण कर स्वागत किया। नारायणपुर जिले में पहली बार सामान्य वर्ग से जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने पर शहर एवं जिले में विशेष हर्ष और उत्साह का माहौल देखा गया। राजेश दीवान एक अनुभवी संगठनकर्ता हैं, जो पूर्व में पीसीसी सचिव सहित विभिन्न महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं और चुनाव संचालन का भी व्यापक अनुभव रखते हैं। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मंत्री एवं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, बस्तर विधायक एवं पूर्व अध्यक्ष बस्तर विकास प्राधिकरण लखेश्वर बघेल, जगदलपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य सहित अनेक कांग्रेस नेताओं ने माला पहनाकर दीवान की ताजपोशी की। अन्य जिलों एवं प्रदेश से आए कांग्रेस नेताओं ने भी समारोह में सहभागिता की। पदभार ग्रहण के बाद अपने संबोधन में राजेश दीवान ने कहा कि वे राष्ट्रीय नेतृत्व एवं हाईकमान का आभार व्यक्त करते हैं और पूरे ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण भाव से प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ मिलकर संगठन को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को बूथ स्तर तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा और भाजपा की जनविरोधी एवं झूठी सरकार को जनता के सामने बेनकाब कर आने वाले सभी चुनावों में कांग्रेस को मजबूती से विजय दिलाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम किया जाएगा। इस कार्यक्रम में जिला कांग्रेस के नेता शिवकुमार पाण्डेय, मो. हुसैन, टीकम सिंह, वीपी शुक्ला, सोना भद्र, जेपी देवांगन, विनोद दीवान, पूर्व अध्यक्ष रजनू नेताम, पंडीराम, देवनाथ उसेंडी, बिसेल नाग, गुड्डूराव, परमेश दीवान, संजय राय, शेख तोहिद, मैनू कमेटी, जोशीलाल पात्र, मधेश्वर सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे साथ ही शहर अध्यक्ष रघु मानिकपुरी, ब्लॉक अध्यक्ष रवि देवांगन, प्रमोद नैलवाल, अमित भद्र, मिथलेश ठाकुर, किरण वडड़े, महिला कांग्रेस से रसीला कश्यप, वेदवती पत्र, श्यामवती नेताम, सुनीता मांझी, मीणा नाग, प्रतिमा ठाकुर, सोनिका पोर्टे, बागेश्वरी पटेल तथा युवा कांग्रेस से बोधन देवांगन, जय वटटी, दीपक गांधी, विजय सलाम, कुणाल उइके, मनोज सेन, पप्पू ठाकुर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न कार्यकर्ताओं को एकजुटता और सेवा का मंत्र

भानुप्रतापपुर। स्थानीय सामुदायिक भवन में भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से पार्टी की मजबूती, आगामी चुनावी रणनीतियों और बूथ स्तर तक संगठन के विस्तार पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में कांकेर सांसद भोजराज नाग, प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डे और भाजपा जिलाध्यक्ष महेश जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संगठन की शक्ति अनुशासन में: शताब्दी पाण्डे

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती शताब्दी पाण्डे ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। उन्होंने कहा, 'संगठन की एकता, अनुशासन और समर्पण ही भारतीय जनता पार्टी की असली पूंजी है। जब कार्यकर्ता मजबूत होता है, तभी पार्टी अपने बड़े लक्ष्यों को प्राप्त कर पाती है।' उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया।

जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाएँ: सांसद

सांसद भोजराज नाग ने केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। इसके लिए उन्होंने संगठन को और अधिक सक्रिय और सशक्त बनाने पर जोर दिया। वहीं, वरिष्ठ नेता गौतम उइके ने बूथ स्तर पर निरंतर संपर्क अभियान चलाने की आवश्यकता बताई।

अमित शाह के भाषण का हुआ श्रवण

बैठक के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद भवन में दिए गए प्रेरणादायक भाषण को सुना। कार्यकर्ताओं ने इसे भविष्य के कार्यों के लिए ऊर्जादायक बताया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महामंत्री राजा पाण्डेय ने किया एवं आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री जितेंद्र मरकाम द्वारा किया गया। बैठक की मेजबानी मंडल अध्यक्ष डिगेश खापर्डे, महामंत्री राजीव श्रीवास और गिरधारी लाल नरेटी ने की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष बृजेश चौहान, राजा देवनानी, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष अरविंद जैन, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रजिंदर रंधावा, ढालन सिंह राणा, ज्वाला जैन, अनीश मिश्रा, जीवराखन सलाम, जिला मीडिया प्रभारी मनोज जैन सहित बड़ी संख्या में जिला, मंडल और बूथ स्तर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दावा आपत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित

कोंडागांव। कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोण्डागांव (छ.ग.) के द्वारा नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन निर्माण हेतु भूमि आबंटन के लिए न्यायालय कलेक्टर जिला कोंडागांव को पत्र प्राप्त होने पर उक्त संबंध में राजस्व निरीक्षक नजूल कोण्डागांव से स्थल चिन्हांकन जांच प्रतिवेदन लिया गया। नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन निर्माण हेतु नगर कोण्डागांव के गोहल्ला तहसीलपारा (मण्डी प्रांगण) में स्थित भूमि शीट नंबर-02 भू-खण्ड क्रमांक 691/1क क्षेत्रफल 4162265 वर्गफीट में से रकबा 5.00 एकड़ भूमि को चिन्हांकित किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे 29 दिसंबर तक अपना दावा/आपत्ति न्यायालय तहसीलदार नजूल कोंडागांव के समक्ष कार्यालयीन समय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपति। पर कोई सुनवाई नहीं किया।

राष्ट्रीय राजमार्ग में स्ट्रीट लाइट सुधार कार्य जारी

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के निर्देशानुसार जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार सुधार कार्य किए जा रहे हैं। हाल ही में आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 अंतर्गत बेड़मा से घोड़ागांव तक एसटीएमसी के तहत सड़क के बी.टी. पेंच रिपेयर, दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों में रोड मार्किंग तथा कोण्डागांव शहर में बंद स्ट्रीट लाइटों के सुधार के निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों के परिपालन में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 के बेड़मा से घोड़ागांव के मध्य बी.टी. पेंच रिपेयर का कार्य, बंद स्ट्रीट लाइटों का सुधार, रोड मार्किंग तथा संकेतक एवं सूचनात्मक बोर्ड लगाए जा रहे हैं। इन कार्यों से सड़क पर दृश्यता बढ़ेगी और दुर्घटनाओं की संभावना में कमी आएगी।

सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर 2025: हलामीमुंजमेटा में जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु शिविर आयोजित

नारायणपुर। सुशासन सप्ताह - प्रशासन गांव की ओर 2025 अभियान के तहत ग्राम हलमीमुंजमेटा में विशेष प्रशासनिक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा शासन की योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना रहा। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। राजस्व, पंचायत, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्यानिकी सहित अन्य विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा मौके पर ही कई आवेदनों का निराकरण किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रमशीला नाग बनीं भाजपा महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ की प्रदेश उपाध्यक्ष

नारायणपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ की प्रदेश कार्यकारिणी में नारायणपुर नगर पालिका परिषद की पार्षद एवं वरिष्ठ भाजपा नेत्री रमशीला नाग को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से जिले में हर्ष और गौरव का वातावरण है। रमशीला नाग 2010 से 2016 तक महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रहीं तथा इसके बाद लगातार तीन कार्यकाल तक प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के रूप में सक्रिय भूमिका निभाती रहीं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, अनुभव और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। अपनी नियुक्ति पर उन्होंने भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य करने का संकल्प दोहराया। उनकी इस नियुक्ति पर भाजपा महिला मोर्चा की सदस्यों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

तीन परिवारों को मिला प्रधानमंत्री बीमा योजना का सहारा, बीमा राशि का किया गया भुगतान

कोण्डागांव। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री बीमा योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए कठिन परिस्थितियों में आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर एक मजबूत संबल दे रही हैं। आकस्मिक दुर्घटना अथवा असमय निधन की स्थिति में यह योजना न केवल आर्थिक राहत देती हैं, बल्कि प्रभावित परिवारों को जीवन की कठिन घड़ी से उबरने का साहस भी प्रदान करती हैं। इसी क्रम में कोंडागांव जिले के दो परिवारों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और एक परिवार को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता प्रदान की गई। जिससे आश्रितों परिवारों आर्थिक राहत मिल सकी। ग्राम उमरगांव निवासी पूर्णिमा मांडवी को उनके पति स्व. रतन राम मांडवी के निधन के पश्चात बीमा राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार ग्राम सिंघनपुर, पोस्ट उमरगांव, जिला कोंडागांव निवासी साधुराम को उनकी पत्नी स्वर्गीय धसीन बाई, जिनकी मृत्यु पानी में डूबने से हो गई थी, के आकस्मिक निधन पर बीमा सहायता दी गई। वहीं, ग्राम डूमर गोदारा निवासी मंगलदई मांडवी को उनके पति स्व. आंदोराम मांडवी, जिनकी मृत्यु सड़क दुर्घटना में हुई थी, के निधन के बाद हितग्राहियों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत बीमा राशि का लाभ मिला। तीनों मामलों में पात्र हितग्राहियों के प्रत्येक परिवार को 2-2 लाख रुपये की बीमा राशि स्वीकृत की गई। गत दिवस जिला कार्यालय में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना द्वारा तीनों परिवारों के आश्रितों को चेक प्रदान किए गए। लाभार्थियों ने बीमा राशि प्राप्त होने पर शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में मिली यह सहायता उनके लिए अत्यंत सहायक सिद्ध हुई है। उन्होंने बताया कि पति की मृत्यु के बाद परिवार के सामने आजीविका और बच्चों की शिक्षा जैसी कई चुनौतियां खड़ी हो गई थीं, ऐसे में बीमा राशि से उन्हें काफी राहत मिली है।

सुकमा में यातायात जागरूकता कार्यक्रम सुरक्षित यात्रा के लिए जागरूक हुए लोग

सुकमा। जिले में जनजातीय कौशल केन्द्र, जन शिक्षण संस्थान द्वारा यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डायरेक्टर विकास वस्त्रकार के निर्देश में आयोजित इस रैली में लोगों को रोड सेफ्टी के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर डायरेक्टर विकास वस्त्रकार ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से हेलमेट, सीट बेल्ट पहनने, नशे में गाड़ी न चलाने, मोटरसाइकिल में तीन सवारी न बैठने और एयर फोन लगाकर गाड़ी न चलाने की अपील की। ट्रैफिक पुलिस प्रभारी अनुराग सोनवानी ने भी लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करने से हम अपने और दूसरों की जान बच सकते हैं। इस मौके पर जनजाति कौशल केंद्र जन शिक्षण संस्थान के स्टाफएवं बच्चे उपस्थित थे। सभी ने मिलकर यातायात जागरूकता के नारे लगाए और लोगों को सुरक्षित यात्रा के लिए जागरूक किया।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल नं. 1 में 120वीं वार्षिक उत्सव में 'कृष्णा' थीम पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेलवे हायर सेकंडरी स्कूल नं. 1 में वार्षिकोत्सव कृष्णा का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ अशुमान मिश्रा विशिष्ट अतिथि रुहिना तुफ़ैल खान थे।अतिथियों के स्वागत पश्चात् स्कूल के प्राचार्य श्री महेश बाबु ने स्कूल वार्षिक प्रतिवेदन में विद्यालय के वर्ष भर की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के करकमलों से दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट परीक्षाफल प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही, सत्र के दौरान विद्यालय के 09 विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में सहभागिता कर विद्यालय का गौरव बढ़ाने पर उन्हें भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी ने इस अवसर पर विद्यालय की प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यालय के सभी सदस्यों को बधाई दी। साथ ही सभी अतिथियों द्वारा भी विद्यालय के प्रगति एवं प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए स्कूल प्रबंधन को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम की कड़ी में विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा कृष्णा लीला का जीवंत प्रस्तुति दी गई जिसे देख वहां उपस्थित अतिथियों सहित पालकों की तालियों की ध्वनि से पूरा समारोह स्थल गुंजायमान हो गया। यह सिलसिला करीब दो घंटे तक चलता रहा। इस दौरान बच्चों ने कृष्ण जन्म से लेकर कंश वध तक लीलाओ का मंचन किया जिसे देख सभी भाव विभोर हो गए। सभी अतिथियों ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।इस अवसर पर सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी श्री रंजन कुमार रुखैयार, भास्कर गुहा, मंडल समन्वयक श्री विजय अग्निहोत्री, श्री बी कृष्णकुमार,श्री प्रभात पासवान,श्री मधु राव एवं बच्चों के अभिभावक, शिक्षक-शिक्षिकाएं भारी संख्या में उपस्थित थे।

नये साल से ई-ऑफिस लागू करने विभागों में तेजी से चल रहे काम

बिलासपुर। राज्य शासन द्वारा 1 जनवरी से ई-ऑफिस व्यवस्था के तहत काम करने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। जिले में 2334 अधिकारी एवं कर्मचारियों की आईडी एवं पासवर्ड बना लिए गए हैं। इन सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को ई-ऑफिस में ऑनबोर्डिंग किया जा चुका है। विभिन्न कार्यालयों में 3411 से अधिक फाईलों का संचालन सफलता पूर्वक किया जा रहा है। वर्तमान में बिलासपुर जिला ई-ऑफिस के संचालन के संबंध में राज्य में 9 वें रैंक पर है। विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को एनआईसी के द्वारा कई चरणों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रति सप्ताह इसकी टीएल बैठक में समीक्षा की जा रही है। ई-ऑफिस व्यवस्था से सरकारी काम में तेजी आयेगी और लोगों का काम भी जल्दी होगा

ई-ऑफिस के संबंध में 26 दिसम्बर को कार्यशाला

बिलासपुर। ई-ऑफिस के कामकाज के संबंध में 26 दिसम्बर को सवेरे 11 बजे जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में कार्यशाला आयोजित की गई है। उन्हें 1 जनवरी से शुरू हो रहे ई-ऑफिस व्यवस्था के बारे में विशेषज्ञों द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। मालूम हो कि प्रशासन को सरल, उत्तरदायी और पारदर्शी बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा सभी कार्यालयों को ई-ऑफिस के जरिए काम करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर बिलासपुर ने जिले के सभी कार्यालय प्रमुखों को एक अधिकारी और एक कर्मचारी को अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

लेखा प्रशिक्षण के लिए आवेदन 31 जनवरी तक

बिलासपुर। प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला बिलासपुर द्वारा आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र मार्च 2026 से जून 2026 तक के लिए आवेदन 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक मंगाये गये हैं। बिलासपुर संभाग अधिनस्थ समस्त कार्यालय प्रमुखों से अपेक्षा है कि वे कार्यालय में पदस्थ लिपिक वर्गीय कर्मचारी जिन्होनें तीन वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके, लेखा प्रशिक्षण हेतु इच्छुक लिपिक वर्गीय कर्मचारियों का निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला न्यू कम्पोजिट बिल्डिंग, तृतीय तल बिलासपुर को प्रेषित करें। आवेदन पत्र इस प्रकार भेजने की व्यवस्था करें कि 31 जनवरी 2026 तक निर्धारित कार्यालयीन समय में इस कार्यालय को प्राप्त हो जाये। पूर्व में आवेदन कर चुके सभी कर्मचारियों को भी इस सूचना के प्रकाशन उपरांत प्रवेश हेतु पुन: आवेदन करना अनिवार्य है।

सुशासन सप्ताह : छतौना जिला स्तरीय शिविर में ग्रामीणों को मिला योजनाओं का सीधा लाभ

प्रशासन गांव की ओर अभियान में दिव्यांग को मिली ट्राइसिकल

अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का शुभारंभ

बिलासपुर। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत आज तखतपुर ब्लॉक के छतौना ग्राम पंचायत में जिला स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि प्रशासन गांव की ओर अभियान से ग्रामीणों को सीधे लाभ मिल रहा है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। ऐसे शिविरों के माध्यम से आसपास के 10-15 गांव के लोगों को एक ही स्थान पर योजनाओं की जानकारी, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की सुविधा दी जा रही है। शिविर में छतौना सहित आसपास के 10 गांव के करीब सैकड़ों ग्रामीणों ने शामिल होकर योजनाओं का लाभ उठाया। इस दौरान अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र के नए भवन का भी लोकार्पण किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि प्रशासन गांव की ओर अभियान से ग्रामीणों को सीधे लाभ मिल रहा है। पंचायत, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समन्वय से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव हो रहा है और शासन की योजनाएं धरातल पर दिखाई दे रही हैं। कलेक्टर ने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि वर्षा जल को गांव और खेतों में रोकना समय की आवश्यकता है। उन्होंने ग्रामीणों से नशामुक्ति और साइबर ठगी से सतर्क रहने की भी अपील की। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों का अन्नप्रासन एवं गर्भवती महिलाओं के लिए गोदभराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हितग्राही मूलक योजना के तहत सामग्री का वितरण कर लोगों को लाभान्वित किया गया। योजना से बदली जिंदगी - समाज कल्याण विभाग द्वारा बेलमुंडी निवासी दिव्यांग श्री प्रसाद केंवट को मोटराइज्ड ट्राइसिकल और बैसाखी प्रदान की गई। अब तक उन्हें आवागमन और दैनिक कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ट्राइसिकल मिलने से वे आत्मनिर्भर महसूस कर रहे हैं और रोजमर्रा के काम स्वयं कर पाएंगे। इसी तरह श्री संतोष कुमार लास्कर को भी मोटराइज्ड ट्राइसिकल एवं छड़ी प्रदान की गई। कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, तखतपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती माधवी संतोष वस्त्रकार, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अंबिका विनोद साहू, ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती राधिका राकेश कौशिक सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भरोसे और किसान हितैषी योजनाओं ने भूरी बाई को बनाया आत्मनिर्भर...

बिलासपुर। बहतराई गांव की महिला किसान श्रीमती भूरी बाई ने सीमित संसाधनों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच खेती कर आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल की है। पारिवारिक दायित्वों के बीच खेती जैसा अथक श्रम का काम करना चुनौतीपूर्ण रहा। लेकिन कड़ी मेहनत और सरकार से मिल रहे सहयोग ने उनकी राह आसान बना दी और वे अब आर्थिक रूप से न केवल सशक्त बन चुकी हैं बल्कि अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा दे रही हैं। इस वर्ष भूरी बाई ने पूरे परिश्रम और लगन से धान की खेती की। फसल तैयार होने के बाद उन्होंने 38 क्विंटल धान सहकारी समिति के माध्यम से बेचा। धान विक्रय प्रक्रिया को लेकर उनके मन में पहले आशंकाएं थीं, लेकिन टोकन कटने से लेकर तौल और भुगतान तक सभी कार्य पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से पूरे हुए। कहीं कोई भटकाव नहीं, न ही किसी तरह की परेशानी। सबसे बड़ी राहत तब मिली जब धान बिक्री की राशि कुछ ही दिनों के भीतर सीधे उनके बैंक खाते में जमा हो गई। मेहनत की कमाई समय पर मिलने से भूरी बाई काफी खुश है। अपनी मेहनत की कमाई निकालने के लिए वे सरकंडा स्थित सहकारी बैंक पहुंचीं,जहां उन्हें सम्मान और सहयोग के साथ सेवा मिली और राशि आहरण में कोई दिक्कत नहीं हुई। भूरी बाई बताती हैं कि इस प्राप्त राशि से वे अपने घर की मरम्मत कार्य करवाएंगी।3भूरी बाई कहती है किसान हितैषी योजनाओं और पारदर्शी व्यवस्था ने छोटे किसानों की जिंदगी में बड़ा बदलाव लाया है। उन्हें किसान सम्मान निधि का भी लाभ मिल रहा है जिससे उन्हें खेती किसानों के खर्च में मदद मिल जाती है। सरकार द्वारा 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी से वे खुद को पहले से अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर महसूस कर रही हैं।भूरी बाई प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए कहती है कि सरकार की नीतियों और योजनाओं ने किसानों को सम्मान, सुरक्षा और समय पर मेहनत का फल दिया है।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने ली राजनीतिक दलों बैठक

■ दावा, आपत्ति 22 जनवरी तक लिए जाएंगे 21 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

बिलासपुर। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के एसआईआर कार्यक्रम के तहत मंगलवार को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया। इसके तत्काल बाद सूची पर दावा एवं आपत्तियां लेने का काम शुरू हो गया है जो कि 22 जनवरी तक लिया जायेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने अपने कक्ष में राजनीतिक दलों की बैठक लेकर इसकी प्रक्रिया से उन्हें अवगत कराया। कलेक्टर ने बैठक में बताया कि दावा एवं आपत्तियां स्वीकार करने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कुछ केन्द्र निर्धारित किये गये हैं। दावा, आपत्तियों की नोटिस, सुनवाई एवं सत्यापन का कार्य साथ-साथ चलेगा। सुनवाई की अंतिम तिथि 14 फरवरी 2026 तय की गई है। वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को किया जायेगा। बैठक में राजनीतिक दलों को विगत मतदाता सूची एवं वर्तमान मतदाता सूची में हुए अंतर की तुलनात्मक जानकारी दी गई। उन्हें निर्वाचक नामावलियों की दो प्रतियां भी उपलब्ध कराई गई। दावा आपत्तियों की सुनवाई के लिए नियत स्थल की सूची भी उन्हें दी गई। ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपने नाम की जांच करने और नाम नहीं मिलता है तो क्या करें इसकी भी जानकारी से उन्हें अवगत कराया गया। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर शिवकुमार बनर्जी सहित इण्डियन नेशनल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, मार्कसवादी कम्यूनिस्ट पार्टी एवं छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 31 दिसम्बर तक जमा होंगे प्रीमियम......

बिलासपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत रबी फसल वर्ष 2025-26 के लिए जिले में फसल बीमा के अंतर्गत प्रीमियम जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2025 निर्धारित की गई है। योजना अंतर्गत जिले के कुल 88 ग्राम अधिसूचित किए गए हैं, जिनमें गेहूं, चना, सरसों एवं अलसी फसलें अधिसूचित है। अधिसूचित फसलों हेतु प्रति हेक्टेयर ऋणमान एवं कृषक प्रीमियम गेहूं (सिंचित) के लिए ऋणमान 30 हजार एवं प्रीमियम 450 रू, गेहूं (असिंचित) हेतु ऋणमान 25 हजार एवं प्रीमियम 375 रू, चना हेतु ऋणमान 32 हजार एवं प्रीमियम 480 रू, सरसों हेतु ऋणमान 22 हजार एवं प्रीमियम 330 रू तथा अलसी हेतु ऋणमान 18 हजार एवं प्रीमियम 270 रू निर्धारित किया गया है। ऋणी कृषक अपने संबंधित सहकारी समिति अथवा बैंक के माध्यम से फसल बीमा करा सकते हैं। वहीं अऋणी कृषक बुवाई प्रमाणपत्र, खसरा (बी-1, पी-2), आधार कार्ड, नवीनतम बैंक पासबुक एवं बटाईदार, कास्तकार घोषणापत्र के माध्यम से लोक सेवा केंद्र, सहकारी समिति, बैंक अथवा स्वयं के मोबाइल नंबर से क्रॉप इंश्योरेंस ऐप के जरिए भी फसल बीमा करा सकते हैं। उप संचालक कृषि द्वारा जिले के समस्त ऋणी एवं अऋणी कृषकों से अपील की गई है कि अंतिम तिथि की प्रतीक्षा न करते हुए समय पूर्व फसल बीमा कराएं, क्योंकि रबी फसल बीमा की अंतिम तिथि में अब केवल 7 दिवस शेष हैं। रबी फसल वर्ष 2025-26 में बीमा कराते समय मोबाइल ओटीपी के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेलवन ऐप के माध्यम से टीएस एवं पीआरएस टिकटिंग को व्यापक प्रोत्साहन

■ रेलवन ऐप से बदली टिकटिंग की तस्वीर, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में टीएस एवं पीआरएस बुकिंग में तेज़ बढ़ोतरी

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेलवन ऐप का व्यापक प्रचार, डिजिटल टिकटिंग को मिल रही नई गति

बिलासपुर। यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, त्वरित एवं डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भारतीय रेल द्वारा विकसित रेलवन मोबाइल एप्लिकेशन को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्र में व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। रेलवन ऐप एक सिंगल इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से यात्री अनारक्षित एवं आरक्षित टिकटों की बुकिंग, ट्रेन पूछताछ तथा शिकायत निवारण जैसी अनेक महत्वपूर्ण सुविधाओं का एक ही ऐप पर लाभ उठा सकते हैं। फरवरी 2025 से रेलवन ऐप के माध्यम से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में अनारक्षित टिकट बुकिंग के आंकड़ों में उल्लेखनीय और सतत वृद्धि दर्ज की गई है। जहां फरवरी 2025 में प्रतिदिन औसतन मात्र 2 टिकट, 10 यात्रियों तथा लगभग 208/- की आय दर्ज की गई थी, वहीं यह संख्या बढ़कर जुलाई 2025 में प्रतिदिन औसतन 121 टिकट, 271 यात्री, 7,979/- की आय, अक्टूबर 2025 में प्रतिदिन औसतन 262 टिकट, 590 यात्री,19,958/- की आय, नवंबर 2025 में प्रतिदिन औसतन 296 टिकट, 699 यात्री, 22,659/- की आय एवं दिसंबर 2025 (18.12.2025 तक) में प्रतिदिन औसतन 325 टिकट, 746 यात्री, तथा लगभग 24,126/- की दैनिक आय तक पहुंच चुकी है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यात्री तेजी से डिजिटल टिकटिंग प्रणाली को अपना रहे हैं और रेलवन ऐप पर उनका भरोसा निरंतर बढ़ता जा रहा है। रेलवन ऐप के व्यापक उपयोग से बुकिंग एवं आरक्षण काउंटरों पर लंबी कतारों में उल्लेखनीय कमी आई है, कागज रहित टिकटिंग को बढ़ावा मिला है तथा यात्रियों का समय एवं श्रम दोनों की बचत हो रही हैं। साथ ही, यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी मंडलों में रेलवन ऐप के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सतत, सक्रिय एवं निरंतर प्रयासरत है, ताकि यात्रियों को स्मार्ट, सुरक्षित, पारदर्शी और परेशानी-मुक्त यात्रा अनुभव प्रदान किया जा सके तथा डिजिटल इंडिया और आधुनिक भारतीय रेल की परिकल्पना को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

नव नियुक्त मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन द्वारा बिलासपुर-गेवरारोड सेक्शन का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

■ यात्री सुरक्षा, संरक्षा एवं परिचालन व्यवस्था की गहन समीक्षा

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के नव नियुक्त मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन द्वारा आज अकलतराङ्कचांपाङ्कगेवरारोड रेल खण्ड का विस्तृत विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न स्टेशनों एवं मध्यवर्ती खण्डों का गहन अवलोकन करते हुए यात्री सुरक्षा, संरक्षा मानकों तथा रेल परिचालन से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। मंडल रेल प्रबंधक ने अकलतरा, जांजगीर-नैला, कोरबा एवं गेवरारोड स्टेशनों का क्रमवार निरीक्षण किया। उनके साथ अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री के. श्रीनिवास सहित विभिन्न शाखाओं के अधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण की शुरुआत अकलतरा स्टेशन से की गई, जहाँ उन्होंने पैनल रूम, क्रू लॉबी एवं रनिंग रूम का गहन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके पश्चात जांजगीर-नैला स्टेशन में पैनल रूम तथा यार्ड में सिग्नल एवं प्वाइंट्स की कार्यप्रणाली का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संरक्षा मानकों की समीक्षा की। चांपा गेवरारोड सेक्शन के मध्य विंडो ट्रेलिंग के दौरान विभिन्न स्टेशनों के यार्ड, क्रॉसिंग, पॉइंट्स, लॉन्ग लूप्स आदि का सूक्ष्म संरक्षा निरीक्षण किया गया। गेवरारोड स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक ने अवसंरचना विकास कार्यों एवं यार्ड रि-मॉडलिंग की प्रगति का जायजा लिया। तत्पश्चात वे कोरबा स्टेशन पहुँचे, जहाँ स्टेशन क्रू लॉबी, रनिंग रूम, पैनल, पॉइंट्स तथा पीडब्ल्यूआई कार्यालय में नाईट पेट्रोलिंग/की-मेन कंट्रोल रूम आदि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों के कड़ाई से अनुपालन, कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में सुधार तथा यात्री सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया।

आवश्यक मरम्मत कार्य हेतु कोंडतराई समपार फाटक बंद रहेगी ।

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत किरोड़ीमल नगर-भूपदेवपुर स्टेशनों के मध्य किमी 599/18-20 पर स्थित मानव सहित समपार संख्या 297(कोंडतराई फाटक) को दिनांक 26 दिसम्बर 2025 को प्रात: 08 बजे से रात 08 बजे तक एवं दिनांक 27 दिसम्बर 2025 को प्रात: 08 बजे से रात 08 बजे तक आवश्यक मरम्मत कार्य हेतु सड़क यातायात के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया है। उक्त समपार पर मरम्मत कार्य के दौरान यातायात के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पास में ही स्थित उच्चभिट्ठी फाटक से उपलब्ध है । रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है एवं सहयोग की आशा करता है।

राज्यपाल के मुख्य आतिथ्य में राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का भव्य समापन आज

■ लोक सांस्कृतिक धुनों और रंगारंग कार्यक्रमों से सजेगा मंच

■ लोक गायिका आरू साहू, बस्तर और काफिला बैंड की खास प्रस्तुति

बिलासपुर। युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा और रचनात्मकता को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का समापन 25 दिसंबर को होगा। इस महोत्सव में प्रदेशभर से चयनित युवा कलाकार अपनी सांस्कृतिक, संगीत एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से समृद्ध छत्तीसगढ़ी संस्कृति और युवा शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता में विजेता टीमों को राज्यपाल श्री रामेन डेका द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। समापन समारोह में आरु साहू के लोक गायन के साथ काफिला ,स्वप्निल और दायरा बस्तर बैंड की प्रस्तुति होगी। महोत्सव की शुरुआत शाम 4:30 बजे स्वप्निल लाइव बैंड की संगीतमय प्रस्तुति से होगी। इसके बाद 5:30 से 6:30 बजे तक लोक गायिका आरू साहू अपनी विशेष प्रस्तुति देंगी,जो युवाओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी। शाम 7:00 से 8:00 बजे तक पुरस्कार वितरण समारोह होगा।

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अतः उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारात्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाई ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा। भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों है विराजित
शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रहमहत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

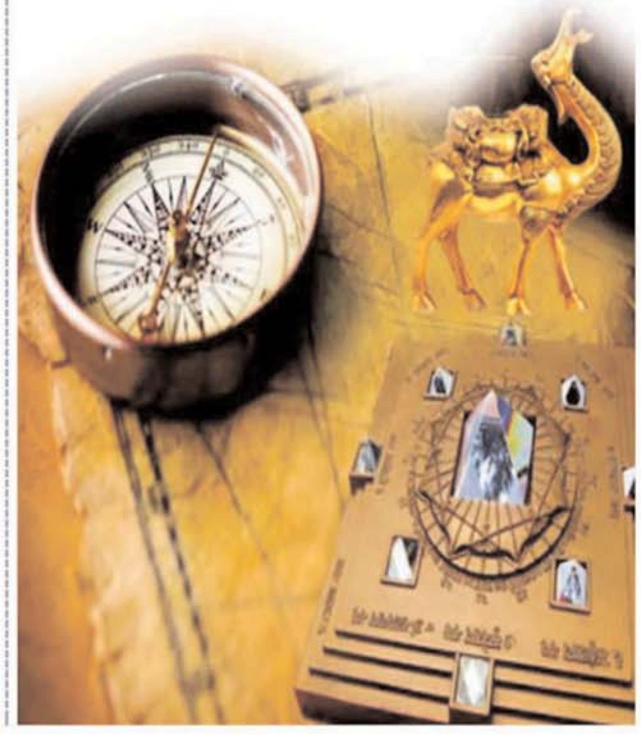

नकली पनीर के मामले में लाइसेंस निरस्त किया गया, यूथ कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

साढ़े 4 सौ किलो नकली पनीर, रौनक इंटरप्राइजेस के मालिक पर हो मामला दर्ज

राजनांदगांव। नकली पनीर मामले में केवल 15 दिनों के लिए रौनक इंटरप्राइजेस का लाइसेंस निरस्त किया गया है। इस कार्रवाई को नाकाफी बताते हुए मंगलवार को यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई करने की बात कही है। पदाधिकारियों ने कहा कि यह अपराधिक कृत्य है, इसलिए इस पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। शहर के स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ हो रहे खिलवाड़ को लेकर यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव निखिल द्विवेदी ने कहा है कि हाल ही में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में रौनक इंटरप्राइजेस जैसे लाइसेंस धारी प्रतिष्ठान में बड़े पैमाने पर नकली पनीर का निर्माण पकड़ा जाना अत्यंत चौंकाने वाला एवं आपराधिक कृत्य है। द्विवेदी ने कहा कि शासन से लाइसेंस प्राप्त होने के बावजूद उक्त इकाई द्वारा मिल्क पाउडर, पाम ऑयल और अन्य अमानक सामग्री मिलाकर नकली पनीर तैयार किया जा रहा था, जो सीधे-सीधे शहरवासियों की जान से खिलवाड़ है। यह घटना प्रशासनिक अनियमितता नहीं, बल्कि एक गंभीर जनस्वास्थ्य अपराध है। उक्त कार्यक्रम में मुख्यरूप से गणेश पवार, विप्लव शर्मा, सौरभ तिवारी, संदीप सोनी, सन्नी हरिहरणों , विपिन मदामे, मोहित कोचरे, हर्ष साहू , शुभम शुक्ला, सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ज्ञापन में ये मांग की गई

जिला प्रशासन को यूथ कांग्रेसियों ने ज्ञापन सौंपा और मांग रखी कि रौनक इंटरप्राइजेस के संचालक के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज हो, शहर की सभी पनीर निर्माण इकाइयों, डेयरियों, दुकानों, होटलों एवं ढाबों की बिना सूचना के विशेष जांच अभियान चलाया जाए। नकली पनीर की सप्लाई चेन में शामिल हर दोषी प्रतिष्ठान पर दुकान सील, लाइसेंस निरस्तीकरण एवं भारी आर्थिक दंड लगाया जाए। पूरे अभियान की जानकारी जनता के सामने पारदर्शी रूप से रखी जाए, ताकि दोषियों को संरक्षण न मिल सके।

सीजी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर में भव्य वेलकम एवं फेयरवेल समारोह आयोजित

रायपुर। सी.जी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रायपुर में नर्सिंग में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत एवं नर्सिंग शिक्षा पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य वेलकम एवं फेयरवेल समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं माँ सरस्वती की पूजा, दीप प्रज्वलन एवं शंखनाद के साथ हुआ। फेयरवेल कार्यक्रम की शुरुआत जूनियर विद्यार्थियों द्वारा सीनियर्स का तिलक कर एवं चरण स्पर्श कर सम्मानपूर्वक स्वागत करते हुए की गई। वेलकम कार्यक्रम हेतु कश्मीरी थीम रखी गई थी, जिसमें कश्मीरी पारंपरिक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से समूचे वातावरण को जीवंत कर दिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न वर्गों में विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गई। जी.एन.एम. वर्ग से मिस इवनिंग रोशनी बघेल, मिस परफेक्शनिस्ट नंदिनी साहू एवं मिस डिसिप्लिन सृष्टि को चयनित किया गया। बी.एस.सी. नर्सिंग वर्ग से मिस्टर इवनिंग संजीव रात्रे, मिस इवनिंग तनुजा वर्मा, मिस्टर परफेक्शनिस्ट शारोन प्रकाश, मिस परफेक्शनिस्ट श्रेया दास, मिस डिसिप्लिन ललिता दिली एवं मिस्टर डिसिप्लिन दानेश्वर साहू को सम्मानित किया गया। फ्रेशर वर्ग में बी.एस.सी. नर्सिंग से मिस्टर फ्रेशर त्रिविकरम कुमार एवं मिस फ्रेशर आराधना तथा जी.एन.एम. से मिस फ्रेशर अंजलि एवं मिस्टर फ्रेशर पवन कुमार का चयन किया गया। इस अवसर पर नर्सिंग की पढ़ाई पूर्ण कर रहे विद्यार्थियों को संस्था द्वारा एप्रिसिएशन सर्टिफिकेट प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद दिए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय नवीन मारकंडे जी (पूर्व विधायक, भारतीय जनता पार्टी, महामंत्री भाजपा, मुख्य कार्यालय प्रभारी,रायपुर) एवं सचिन मेघानी (पार्षद, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर) उपस्थित रहे।

जम्मू कश्मीर व बैंगलौर के मध्य आज खिताबी जंग

जम्मू ने कोण्डागांव तथा बैंगलुरू ने झारखण्ड को हराया

केंद्रीय मंत्री तोखन साहू एवं साहू समाज प्रदेशाध्यक्ष ने की शिरकत

डोंगरगांव नगर। सांसद खेल महोत्सव के तहत् नगर के जनसहयोग खेल मैदान में चल रहे ऑल इंडिया फुटबाल टूर्नामेंट का पहला सेमीफायनल मैच जम्मू एंड कश्मीर व कोण्डागांव के मध्य तथा दूसरा सेमीफायनल मैच बैंगलुरू व झारखंड के मध्य हुआ। जम्मू ने कोण्डागांव को 3-0 से तथा दूसरे मैच में बैंगलुरू ने झारखण्ड को 2-0 से करारी शिकस्त देते हुए फायनल में प्रवेश किया।

फायनल मैच दोपहर 1 बजे से खेला जायेगा। पहला मैच एसटीएफसी जम्मू कश्मीर तथा नागेश इलेवर कोण्डागांव के बीच खेला गया। मध्यान्तर तक दोनों टीम बिना कोई गोल किये 0-0 से बराबरी पर थीं। मध्यान्तर के बाद जम्मू को टीम के उबायो ने शानदार मैदानी गोल करके अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। इसके बाद जम्मू के यावर ने 20 वें मिनट में तथा फरहान ने मैच समाप्ति के चंद सेकेण्ड पहले मैदानी गोल करके अपनी टीम को 3-0 से विजयश्री दिला दी। इस प्रकार एसटीएफसी जम्मू कश्मीर की टीम टूर्नामेंट की पहली फायनलिस्ट टीम बनी। दूसरा सेमीफायनल मैच एमईजी बैंगलुरू तथा चक्रधरपुर स्पोर्ट्स क्लब झारखंड के बीच खेला गया। मैच के 43 वें मिनट में बैंगलुरू के अमन ने शानदार मूवमेंट के साथ मैदानी गोल करके अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। मैच के दौरान केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने शिरकत की। इस मौके पर सांसद संतोष पांडेय, साहू संघ प्रदेशाध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू, जिलाध्यक्ष कोमल राजपूत, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण गुप्ता, नपंअध्यक्ष अंजू त्रिपाठी व बालकृष्ण सिन्हा मौजुद थे।

चार खिलाड़ियों को रेड कार्ड–मैच में सर्वाधिक चार खिलाड़ियों को रेड कार्ड दिखाया गया। इसके बाद झारखण्ड की टीम 8 खिलाड़ियों के साथ तथा बैंगलुरू की टीम 10 खिलाड़ियों के साथ मैच खेल रही थी। मध्यान्तर के बाद दूसरे हॉफ के 5 वें मिनट में ही बैंगलुरू के ओडियन ने एक और गोल करके अपनी टीम को 2-0 से बढ़त दिला दी।।

मोदी की गारंटी पूरा कराने 29 से 31 दिसंबर तक तृतीय चरण काम बंद–कलम बंद आंदोलन

अम्लेश्वर। मोदी की गारंटी को लागू कराने के लिए छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ब्लाक पाटन व पेंशनर्स संघ ब्लाक पाटन के कार्यकारिणी बैठक का आयोजन 22.12.2025 को समय 01 बजे जनपद सभा कक्ष पाटन में किया गया जिसमें फेडरेशन से सम्बद्ध सभी विभागों के ब्लाक अध्यक्ष व पदाधिकारीगण उपस्थित हुए व तीन दिवसीय आंदोलन को सत प्रतिशत सफल बनाने पर जोर दिया व समय पर मांग पूरा नही होने पर रोष व्यक्त किया गया। ब्लॉक संयोजक महेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि प्रदेश के अधिकारी कर्मचारी और पेंशनर केन्द्र की देय तिथि से महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत नहीं मिलने से आक्रोशित हैं। लगातार बढ़ती महंगाई के बीच आर्थिक क्षति झेल रहे कर्मचारियों ने अब तृतीय चरण काम बंद-कलम बंद आंदोलन की घोषणा कर दी है। यह तीन दिवसीय निश्चितकालीन हड़ताल 29 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक आयोजित होगी। जिला मीडिया प्रभारी भानु प्रताप यादव ने बताया कि सरकार ने सत्ता में आने से पूर्व मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरा होने की गारंटी कहकर केन्द्र की तिथि से महंगाई भत्ता, एरियर्स, समयमान वेतनमान, सातवें वेतनमान के अनुसार गृहभाड़ा भत्ता पुनरीक्षण समेत कई वादे किए थे, लेकिन दो वर्ष पूर्ण होने के बाद भी इन पर अमल नहीं हुआ। प्रांतीय प्रवक्ता ललित बिजौरा कहना है कि देश के अन्य भाजपा शासित राज्य अपने कर्मचारियों को जुलाई 2025 से केन्द्र के समान DA दे रहे हैं, जबकि छत्तीसगढ़ अब भी 3% पिछड़ गया है। पँचायत सचिवो के शासकीयकरण,संविदा एवं अनियमित कर्मचारियों की मांग को 100 दिनों में पूरा करने का वादा भी अधूरा है। बैठक में अतरिक्त मुख्यकार्यपालन अधिकारी स्वेता यादव, रंजीत सिंह,एस डी ओ अभिजीत मिश्रा, टिकेन्द्र वर्मा संरक्षक, चंचल द्विवेदी सम्भाग महामंत्री, हीरासिंह वर्मा अध्यक्ष पेंशनर्स संघ ने भी आंदोलन के समर्थन में सम्बोधित किया गया उक्त अवसर पर भूमिका गोपाल पँचायत स्पेक्टर,वाई के दुबे, सी एल भुआर्य, योगेश्वर महिपाल, सतीश शर्मा, डिलेश कुमार, सी एल निषाद, सेवकराम वर्मा,हरिशंकर साहू,एस के सोनी, ओम प्रकाश वर्मा,जितेश कुमार वर्मा,नीलमणी वर्मा, झरना दास, प्रह्लाद पाण्डेय जिला प्रतिनिधि पटवारी संघ,राजेश कुमार, नितेश साहू,संजय खिलारी, अश्वनी कुमार साहू,बी एन नायक, कौशल टिकरिहा, भरतलाल साहू, यशवंत आडिल, विनोद साहू, नरेश सिंह ठाकुर,बिहारी लाल साहू, भुनेश्वर गजपाल, मानसिंह नाविक, द्वारिका प्रसाद,नरेश पटेल, प्रवीण शर्मा,मोतीलाल मार्कण्डेय, कोमल दास अंगारे,दीनदयाल वर्मा,ढाल सिंग साहू, रानू नागरिया, अनीता धुरंधर, रेशमा यादव सहित सभी विभाग के कर्मचारी अधिकारीगण बैठक में उपस्थित थे।

झीट में बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया परम पूज्य गुरु घासीदास जयंती, क्षेत्र के जनप्रतिनिधी हुए शामिल

अम्लेश्वर। पाटन विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत उत्तर पाटन के ग्राम झीट में बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ परम पूज्य संत शिरोमणि बाबा गुरु घासीदास जयंती समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों के द्वारा जैतखाम में पूजा अर्चना किया गया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया। स्वागत भाषण हेमराज टंडन के द्वारा दिया गया।कार्यक्रम में महिला पंथी पार्टी नेवई की भव्य प्रस्तुति हुई।

आमंत्रित अतिथियों के द्वारा बाबा गुरु घासीदास के जीवन गाथा के बखान किया गया। सतनामी समाज के मांग पर जनपद अध्यक्ष के द्वारा डोम सेट की घोषणा की गई। जयंती समारोह में जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक,जनपद सदस्य रेखा अरविंद जोशी,पूर्व मंडल अध्यक्ष लोकमनी चंद्राकर,ग्राम पंचायत सरपंच राजू साहू, उफरा सरपंच गायत्री साहू, पूर्व जनपद टिका राम साहू, पूर्व सरपंच अरविंद जोशी, रवि कांत कौशिक सहित सतनामी समाज के सामाजिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक रोहित साहू ने किया। रात्रि में रंग छत्तीसा छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम की भव्य प्रस्तुति होगी। इस अवसर पर समीर डहरे,दुजराम कोसले, सेवक राम खुंटेल, उपेश्वर कोसले, पवन कोसले, राजकुमार कोसले, चंदू कोसले, कुलेश्वर गायकवाड, योगेश देशलहरे, गब्बर भारती, राजू कोसले, यामीन टंडन, भुनेश्वर कोसले, समिता कोसले, गायत्री चंदेल, सविता कोसले, रूखमणी, दसमत गायकवाड,लीला गायकवाड,रीना डहरे सहित बड़ी संख्या में सतनामी समाज के महिला पुरुष मौजुद रही।

सरगुजा आईजी ने ली समीक्षा बैठक

अड्डाबाज स्थान पर करें निगरानी–दीपक झा

बलरामपुर। जिले के राजपुर के हरितिमा फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में सरगुजा संभाग के पुलिस महानिरीक्षक दीपक झा के द्वारा संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में कोरिया,जशपुर,एमसीबी,सरगुजा,सूरजपुर व बलरामपुर जिले के पुलिस अधिकारी एवं सभी जिलों के न्यायालय में कार्यरत लोक अभियोजन अधिकारी शामिल हुए। दीपक झा ने सरगुजा संभाग के विभिन्न जिलों में दोषमुक्ति के कुल 709 प्रकरण जिलों की कानून व्यवस्था, लंबित अपराधो,मर्ग सहित एनडीपीएस एक्ट,यातायात व्यवस्था कि समीक्षा की। बीते वर्ष की सड़क दुर्घटनाओं में वर्ष 2024 में कुल 2016 मामले दर्ज किए थे जिनमें मृतकों की संख्या 1256 और 2025 में 1993 मामले दर्ज किए गए हैं जिनमें मृतकों की संख्या 1197 बताई गई है। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले में कानून व्यवस्था के लिए आदतन अपराधी,गुंडा बदमाशों का रिकॉर्ड तैयार कर पुलिस पैनी नजर बनाए रखें। व्ही देर रात तक थाना क्षेत्र में चलने वाले होटल ढाबा दुकानों को समय पर बंद कराने तथा अड्डाबाजो वाले स्थान पर गस्त पेट्रोलिंग कराते हुए निगरानी बनाए रखें और लंबित प्रकरणों को जल्द निराकरण करें। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षको में सूरजपुर प्रशांत ठाकुर, सरगुजा राजेश अग्रवाल,एमसीबी रत्ना सिंह, बलरामपुर वैभव बैंकर रमनलाल,अतिरिक्त कोरिया पंकज पटेल एवं डॉ.ध्रुवेश जायसवाल,एसडीओपी पत्थलगांव जिला जशपुर सहित रेंज के लोक अभियोजन अधिकारी,रक्षित निरीक्षक बलरामपुर विमलेश देवांगन एवं पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय सरगुजा से स्टेनो,रीडर एवं अन्य अधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक कार्यालय बलरामपुर के कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे।

क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन, पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए : प्रखर

सरायपाली। ग्राम बरडीह के श्री श्री राधा माधव क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित ड्यूज बाल क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में संगम सेवा समिति के संस्थापक एवं युवा भाजपा कार्यकर्ता प्रखर अग्रवाल सम्मिलित हुए एव पुरस्कार वितरण कर युवाओं का उत्साह वर्धन किए,प्रथम पुरस्कार ग्राम सावित्रीपुर वही द्वितीय पुरस्कार गॉरटेक के टीमो ने प्राप्त किया, युवाओ को संबोधित करते हुए प्रखर ने सभी युवाओं से आग्रह किया की वे सभी सामाजिक एवं राजनीतिक रूप से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे एवं अपने देश प्रदेश एवं गांव के प्रति अपने अधिकार से अधिक अपने दायित्व और कर्तव्यों को समझे एवं सर्वांगीण विकास में सहयोग प्रदान करे अंत में सभी युवा साथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संगम सेवा समिति के सामाजिक राजनीतिक कार्यो से अवगत कराते हुए समिति से जुड़ने का आग्रह किया।कार्यक्रम में गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित हुए।

आनंद मेला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का सफल आयोजन

रायपुर। शांतिनिकेतन कॉलेज एवं स्कूल द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से आनंद मेला एवं विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा फीता काट कर किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में सीताराम गुप्ता चित्रकुट धाम करवी ज्योति गुप्ता (एम.डी.), सौम्या गुप्ता रुचि गुप्ता एवं ऋषभ गुप्ता (डायरेक्टर) उपस्थित रहे। अतिथियों का पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत किया गया तथा उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों एवं विज्ञान मॉडलों का अवलोकन किया। आनंद मेला के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जिनमें खाद्य सामग्री, खेल-कूद, हस्तनिर्मित वस्तुएँ, शैक्षणिक सामग्री एवं रचनात्मक उत्पाद शामिल थे। वहीं विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान के विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल, चार्ट एवं प्रयोग प्रस्तुत किए, जो सभी के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि आनंद मेला एवं विज्ञान प्रदर्शनी जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सहयोग की भावना, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में कॉलेज एवं स्कूल के समस्त स्टाफ– शिक्षक, शिक्षिकाएँ एवं प्राध्यापकगण ससम्मान उपस्थित रहे। और पूरे आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

अम्लेश्वर में हिंदू सम्मेलन 2025 संपन्न, एकता, संस्कृति और समरसता का भव्य संगम

अम्लेश्वर। हिंदू सम्मेलन 2025 का आयोजन नगर पालिका परिषद अम्लेश्वर में अटल परिसर के पास 21 दिसंबर को श्रद्धा, उत्साह और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। समाज के सभी वर्गों के सक्रिय सहयोग से यह कार्यक्रम धार्मिक जागरण एवं सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण बन गया। सम्मेलन में प्रमुख संतों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विद्वानों एवं समाजसेवियों ने भाग लिया और हिंदू समाज में संगठन, जागरूकता व सांस्कृतिक उत्थान का आह्वान किया। कार्यक्रम में भगवद कीर्तन, धार्मिक प्रवचन, सामूहिक संकल्प, तथा समाजहित के विभिन्न विषयों पर सारगर्भित चर्चाएँ हुई। आयोजन समिति ने इस अवसर पर सभी सहयोगियों, स्वयंसेवकों, प्रायोजकों, मीडिया प्रतिनिधियों और दर्शकों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। समिति ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना का प्रतीक है, जिसने एकता, समरसता और संस्कृति के मूल्यों को पुनः पुष्ट किया है। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में टोप लाल वर्मा माननीय प्रांत संघ चालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्तीसगढ़ संत स्वामी राम तिलक महाराज योगाचार्य एवं मातृशक्ति मीनाक्षी शर्मा का उद्बोधन हुआ जिसमें हिंदू समाज हिंदू समाज का इतिहास पर समाज को संगठित रहने हेतु इस विषय पर जोर दिया गया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाज के विभिन्न वर्ग से आए हुए लोग उपस्थित रहे नगर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता नगर के संघ चालक रमेश कुमार तिवारी, प्रकाश कश्यप, वैभव शास्त्री, इस कार्यक्रम के संयोजक प्रज्ञानंद पाटनवार एवं कोषाध्यक्ष यशपाल साहू अन्य अन्य कार्यकर्ता एवं सभी पांचो बस्ती से गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जिसमें धनेश यादव, धर्मेंद्र सोनकर, कुमार साहू, श्रीमती ललिता कुमार साहू ,कुमार साहू,पूरन साहू, ओम प्रकाश साहू, मनोहर साहू, कैलाश सोनी, कैलाश कुमार , कैलाश यादव, नारायण यादव, सुखदेव साहू, शिव साहू, मनोज यादव, सुनीता साहू, सुनील शर्मा, आदो राम साहू, अभिषेक शर्मा, राकेश सूर्यवंशी, राम दीक्षित, मदन भंडारी, श्रीवास्तव एवं लगभग 500 की संख्या में समाज से विभिन्न वर्ग के व्यक्ति उपस्थित रहे।

गुरूदेव राइस मिल हादसा, मजदूर की मौत मामले में संचालक और प्रबंधक पर एफआईआर

पुलिस का कहना जल्द होगी गिरफ्तारी, विवेचना जारी

- **राइस मिल का टापा गिरने से एक की मौत और दो मजदूर हुए थे घायल**

राजनांदगांव। चिचोला क्षेत्र के ग्राम महराजपुर स्थित गुरूदेव राइस मिल हादसे में मजदूर की मौत मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है, हालांकि अभी यह नामजद नहीं की गई है। इसमें राइस मिल के संचालक और मैनेजर को आरोपी बनाया गया है। पुलिस अधिकारियों की मानें तो आने वाले दिनों में आरोपियों की गिरफ्तारी होगी। ज्ञात हो कि 20 दिसंबर को गुरूदेव राइस मिल में देर शाम मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान टापा जो हाइट पर था, वह गिर गया। उसकी चपेट में तीन से चार मजदूर आ गए। इसके बाद वहां अफरातफरी मच गई। जल्द ही टापा को हटाकर घायलों को बाहर निकाला गया। इस हादसे में मजदूर मुकेश कंवर की मौत हो गई थी, वहीं दो मजदूर घायल हुए थे। हादसे के बाद मजदूरों और ग्रामीणों में आक्रोश पनप गया, जिसके बाद उन्होंने राइस मिल के सामने प्रदर्शन कर मुआवजे की मांग की।

मजदूरों की सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

गुरूदेव राइस मिल में हादसे में मजदूर की मौत के बाद सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे है। कई औद्योगिक संस्थानों में सुरक्षा को दरकिना कर मजदूरों से काम लिया जा रहा है, ऐसा ही मामला गुरूदेव राइस मिल में सामने आया। इसके चलते आक्रोश भी सामने आया। इस पर अब पुलिस ने मामला कायम कर लिया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com